

मूल्य : एक प्रति दस रुपये

भार्गव पत्रिका

दिसम्बर, 2024 भार्गव सभा का मुख्यपत्र (68वाँ वर्ष) अंक 09



समस्त जाति बन्धुओं को
नववर्ष 2025 की
हार्दिक शुभकामनाएँ

देश, जाति अरु धर्म की, सेवा करहु हमेश ।
देती, 'भार्गव पत्रिका' यही शुभ सन्देश ॥



Jolly®
Since 1944

JUST FIT & FORGET



ABOUT US

Jolly Engineering Works, the pioneers in Hinges & builder's hardware, was founded by late Sh. Jitender Nath Bhargava in 1944. The pioneers then are leaders today.

With this far sighted vision, we were the 1st manufacturer to have started Piano Hinges on a completely automatic German plant.

For the past eight decades, Jolly Engineering has stood by its commitment to delivering sheer excellence. Our exquisitely crafted products bring a heightened aesthetic experience and create a remarkable benchmark in the hardware industry.

Every company originates from a vision and builds its empire by passionately working round the clock for years together. Jolly strongly believes that minute details also make a huge difference. Our premium range of Hinges, Mortice Handles, Locks, Ball Bearing Slides, Tower Bolts, Kitchen, as well as our Window hardware is crafted using pioneered cutting-edge technology.

Our exceptional craftsmanship and advanced technological solutions push our company to deliver innovative designs blended with sustainability. From one generation to the other, the Jolly family has handed down unparalleled work ethics and unique craftsmanship skills. We celebrate the 'Made in India' initiative and envision taking it one step further with our exclusive products and services.

We embrace innovation and collectively strive toward achieving high customer satisfaction levels. Our sole purpose is to offer the finest quality products coupled with exceptional customer services. We promote brilliance and consistent evolution of technologies to bring about a revolution in hardware. With this dedication, we thrive to be the industry leaders.

"Jolly Products", Yes, they have to be seen to be believed."



E-43, SMA Co-op Indl. Estate, Delhi - 33 (formerly at 1/3, Roop Nagar, Delhi)

18002020450 | www.jollyengg.com | hinges@jollyengg.com



ADVENT GROUP OF COLLEGES

“Building Nation Through Quality Education”

Managed By: Alokik Foundation (Trust)

Office:- 19, Kesar Kunj Road Number-1, New Bhupalpura Udaipur 313001.

ADVENT COLLEGE OF PHARMACY

(B. Pharm & D. Pharm)

(Approved By: PCI & Affiliated With RUHS, Jaipur)

ADVENT COLLEGE

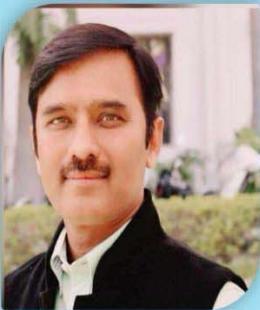
(B.C.A.)

(Approved By: AICTE & Affiliated With JNVU, Jodhpur)

ADVENT PARAMEDICAL COLLEGE

(DMLT & DRT)

(Approved By: IPC New Delhi & Affiliated With RPC, Jaipur)



Dr. Alok Bhargava
(M. Pharm & Ph.D.)
Chairman



Dr. Ritu Bhargava
(M. Pharm & Ph.D.)
Founder Trustee



Mr. Tushar Bhargava
(MBBS Final Year Student)
Managing Director



Address:- Dhani Road, Khudala -Falna Station Tehsil-Bali District-Pali, Rajasthan, Pin Code 306116

E- Mail ID: -alokikfoundation2017@gmail.com, Mobile No : 9828030740



ADVANCE GROUP of COLLEGES



ADVANCE INSTITUTE OF BIOTECH & PARAMEDICAL SCIENCES

(A.K.T.U. College Code: 188)

ADVANCE COLLEGE OF EDUCATION

(A.K.T.U. College Code: 1015) (B.T.E. Code: 3387)

AFFILIATED TO

- Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow
- B.T.E. & S.C.E.R.T. Uttar Pradesh
- C.S.J.M. University, Kanpur

COURSES OFFERED

- D.PHARM • B.PHARM • M.PHARM
B.Ed. • B.T.C. (D.El.Ed.)

APPROVED BY

- A.I.C.T.E. •
N.C.T.E., New Delhi •
Pharmacy Council of India •

Dr. C.S. Bhargava (Chairman)
(M): 9415040326, 9336651555
Dr. Mayank Thakur (Director)
Dr. Shilpi Bhargava (Director)

Mrs. Abha Bhargava (Administrator)
Mr. Mihir Bhargava (Advisor)
Dr. Cheenu Bhargava (Advisor)
Mr. Sachin Bhargava (Advisor)

Managed by : Pt. H.S. Bhargava Charitable Society (Regd.)



Dr. C.S. Bhargava
Secretary



Abha Bhargava
President



Sachin Bhargava
Treasurer



NARAMAU, KANPUR. (M): 9415040326, 9336651555, 8604636739
website: www.advancecolleges.org • e-mail: advancecolleges@gmail.com

पंजीकरण का 68वाँ वर्ष

दिसम्बर, 2024

अंक 09



शुल्क - धरोहर जमा राशि : रु. 1500

• **सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक :**
हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव,
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)
ईमेल: abbsairtel@gmail.com /
abbsbhargavapatrika@gmail.com

• **प्रबन्ध सम्पादक :**
निहाल भार्गव, नई दिल्ली, मो.: 09810234705

• **सह-सम्पादक :**
डॉ. राजकुमारी, उदयपुर, मो.: 09460328260
कपिल भार्गव, अलवर, मो.: 09414640378
राकेश भार्गव, लखनऊ, मो.: 09450450255
प्राणनाथ भार्गव, गुडगाँव, मो.: 09871143837

• **मुद्रण का स्थान :**
रैक्मो प्रेस प्राइवेट लिमिटेड
I-57, UPSIDC इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-V,
कासना, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)

• **प्रकाशन हेतु सामग्री निम्न पते पर भेजें:-**
सम्पादक, 'भार्गव पत्रिका': 305, IIIrd Floor,
एवलोन अपा., न्यू मंगलापुरी, नई दिल्ली-110030
फोन : 011-41403536

<abbsbhargavapatrika@gmail.com>

Bhargava Patrika is available on website
www.bhargavasamajglobal.org

* * *

Complimentary facilities from ABBS

Please send your email ID to us for
sending future issues to you directly.

You can also send your mobile
numbers to us for receiving issues in
multipule colours through WhatsApp.

भार्गव पत्रिका]

भार्गव पत्रिका

भार्गव सभा का मुख्य पत्र
प्रकाशन का 126वाँ वर्ष

नववर्ष पर शुभकामनाएँ

नए साल का अर्थ होता है ताजी शुरुआत। मानसिक तौर पर नववर्ष हमें अवसर प्रदान करता है अपनी स्लेट को साफ करने का, इस समय हमारे अंदर जो भाव उठते हैं वे हमें अपना लक्ष्य प्राप्त करने को प्रेरित करते हैं।

नव वर्ष पर हम आशा करते हैं हम सब अपनी मेहनत और अच्छे कार्यों से असीमित खुशियाँ प्राप्त करेंगे और स्वयं को भी सीमाओं से ऊपर ले जाएंगे।

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजिस्टर्ड) का 133वाँ वार्षिक अधिवेशन 21, 22 व 23 दिसंबर, 2024 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (लखनऊ) में संपन्न हुआ। सभा की नवीन कार्यकारिणी के द्विवार्षिक निर्वाचन भी 22 दिसंबर 2024 को संपन्न हुए। श्री अनिल भार्गव (एकरेस्ट मेटल्स) रेवाड़ी सभा के 'प्रधान' निर्वाचित हुए, श्री संजय भार्गव (निर्माण नगर) जयपुर 'प्रधान सचिव' एवं श्री विजय भार्गव (आगरा) 'कोषाध्यक्ष' तथा श्री मोहित भार्गव (दिल्ली), श्री अजय कुमार भार्गव (जयपुर), श्री रमेश चंद्र भार्गव (अलवर), श्री विवेक भार्गव (आगरा) एवं श्री गिरीश भार्गव (लखनऊ) 'उप प्रधान' निर्वाचित घोषित किए गए। साथ ही 43 सदस्य कार्यकारिणी के लिए भी निर्वाचित घोषित किए गए।

भार्गव पत्रिका परिवार की ओर से सभा के सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन। आशा है जोश से भरी नवीन कार्यकारिणी नई सोच के साथ सभा के उद्देश्यों को पूर्ण करने में कृत संकल्प साबित होगी। समाज सेवा सबसे बड़ी सेवा। लोकतंत्र में मतदाता ही सर्वोपरि होता है, धन्य है मतदाताओं का न्याय।

— शिक्षाविद् कपिल, अलवर (सह संपादक, भार्गव पत्रिका)

विषय सूची

नववर्ष पर शुभकामनाएँ : शिक्षाविद कपिल भार्गव	5
इस अंक में दिये गये विषयों की सूची	6
कविता - कमजोर-लाचार नहीं है तू : स्वाती भार्गव, लखनऊ	6
कार्यकारिणी समिति सत्र 2025-2027 हेतु निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्यगण	7
आप से दो बाद - प्रयास ही असली जीत : डॉ. नलिनी भार्गव	8
समाज कल्याण समिति की वार्षिक रिपोर्ट	9
अंग्रेजी नववर्ष 2025	9
आईए कुंभ 2025 के बारे में जाने : श्री बालकृष्ण भार्गव, दिल्ली	10-12
प्रदूषण एक धीमा विष : श्री बालकृष्ण भार्गव, दिल्ली	12-14
समय पुराना था : श्री आलोक भार्गव, दुर्ग	14
महर्षि भृगु के वंशज भार्गव ऋषि : पं. राजकिशोर भार्गव, भोपाल	15-17
संस्कारों का जीवन में महत्व : श्रीमती कुलजीत भार्गव, लखनऊ	18-20
Achievers of Society : Shri Sandeep Bhargava	21, 23
श्रीमती सुलभा एवं स्व. श्री रमेश कुमार भार्गव, इन्दौर चिकित्सा निधि (2024)	25
ब्रज-शार्ति पुरस्कार निधि (2024)	27
विशेष उपलब्धि : पं. राज किशोर भार्गव, भोपाल	27
प्रोफेसर दयानंद भार्गव (1936-2024)	29
विशेष उपलब्धि श्री अमोघ भार्गव	31
नव वर्ष 2025 नव संकल्पों के साथ : श्रीमती वीणा भार्गव, अलवर	37
कुलदेवी दर्शन यात्रा : चार कुलदेवियाँ	38
Love your Bones — Protect your future Understanding Osteoporosis : Dr. Pradip Bhargava	39
श्री विनोद भार्गव, जयपुर - एक संक्षिप्त परिचय	40
एक प्रेरणादायक व्यक्ति श्री अशोक कुमार भार्गव, लखनऊ	41
जातीय समाचार	42-44
ईर्ष्या - जीवन का अभिशाप : श्री मथुरा प्रसाद भार्गव, जयपुर	44
हमारी स्थानीय सभाएँ : मेरठ, फरीदाबाद, कानपुर, नोएडा, रेवाड़ी, कोलकाता	61-66
हमारी महिला सभाएँ: दिल्ली, जबलपुर, मुलताई, अलवर	67-68

कमजोर - लाचार नहीं है तू

प्यार करके देख खुद से तू,
कमजोर, लाचार नहीं है तू,
क्यों करती उम्मीद औरों से,
इस जहाँ की खुशियाँ है तू,
नव निर्माण, जन्मदात्री हे तू,
अगर हौसला है, तो जीतेगी तू,

यह भी कर फैसला, खुद के लिए तू,
लोग तो देख, कमी निकालेंगे तुझ में,
लोगों को दरकिनार कर,
खुद को निखार तू,
प्यार करके देख खुद से तू,
कमजोर लाचार नहीं है तू।

— स्वाती भार्गव (नक्षत्र), मो.: 9935060888, सी-3250, राजाजीपुरम सपना कॉलोनी, लखनऊ

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

कार्यकारिणी समिति सत्र 2025-2027 हेतु निर्वाचित पदाधिकारी एवं सदस्यगण

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों (सत्र 2025-2027) हेतु दिनांक 22 दिसम्बर, 2024 को इन्दिरा गाँधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.) में सम्पन्न मतदान में निर्वाचन अधिकारी, श्री लक्ष्मण प्रसाद भार्गव एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी श्री योगेश कुमार भार्गव द्वारा घोषित परिणाम इस प्रकार हैं :-

प्रधान : श्री अनिल भार्गव (एक्सेस मेटल्स)	रेवाड़ी	18. श्री तरुण भार्गव	जयपुर
उपप्रधान :	दिल्ली	19. श्री मुकुल भार्गव	जयपुर
1. श्री मोहित भार्गव	दिल्ली	20. श्री अनिल भार्गव (RFC)	जयपुर
2. श्री अजय कुमार भार्गव	जयपुर	21. श्री विनोद भार्गव	जयपुर
3. श्री रमेश चन्द्र भार्गव	अलवर	22. श्री पवन कुमार भार्गव	जयपुर
4. श्री विवेक भार्गव	आगरा	23. श्री अभय शंकर भार्गव	जोधपुर
5. श्री गिरिश भार्गव	लखनऊ	24. श्रीमती मधु भार्गव	कानपुर
प्रधान सचिव : श्री संजय भार्गव (निर्माण नगर)	जयपुर	25. श्री समीर भार्गव	कानपुर
कोषाध्यक्ष : श्री विजय भार्गव	आगरा	26. श्रीमती अर्चना भार्गव	कानपुर
कार्यकारिणी सदस्य : (नगर अनुसार)		27. श्रीमती रेणु भार्गव	कानपुर
1. श्री जितेन्द्र भार्गव	आगरा	28. श्री मनीष भार्गव	कोटा
2. श्री कंचन भार्गव	आगरा	29. श्री पराग भार्गव	कोटा
3. श्री शलभ भार्गव	आगरा	30. श्री दीपाली भार्गव	कोटा
4. श्री आलोक भार्गव	आगरा	31. श्री जितेन्द्र भार्गव	लखनऊ
5. श्रीमती पारूल भार्गव	अजमेर	32. श्री अमित भार्गव	लखनऊ
6. श्री अमित भार्गव	अलवर	33. श्री कपिल कुमार भार्गव	लखनऊ
7. श्री बनवेश भार्गव	अलवर	34. श्रीमती तूलिका भार्गव	लखनऊ
8. श्री कपिल भार्गव	अलवर	35. श्रीमती किरण भार्गव	मथुरा
9. श्री राजीव भार्गव	अलवर	36. श्री किशन भार्गव	मेरठ
10. श्री पीयुष भार्गव	उज्जैन	37. श्री प्रशान्त भार्गव	मुलताई
11. श्री मयंक भार्गव	बैतूल	38. श्री श्रेयम भार्गव	प्रयागराज
12. श्री सौरभ भार्गव	दिल्ली	39. श्री राम कुमार भार्गव	रायबरेली
13. श्री मणि भार्गव	दिल्ली	40. श्री दीपेश भार्गव (शन्तू)	रेवाड़ी
14. श्री मधुर प्रभात भार्गव	दिल्ली	41. श्री अक्षत भार्गव	रेवाड़ी
15. श्री राजीव भार्गव	दिल्ली	42. श्री सुनीत भार्गव	रेवाड़ी
16. श्री आशीष भार्गव	दिल्ली	43. श्री राजेश भार्गव	वाराणसी
17. श्री दिवाकर भार्गव	गाजियाबाद		

आप से दो बात ‘प्रयास ही असली जीत’

भार्गव समाज के सभी सम्माननीय जन,

आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ!

हाल ही में लखनऊ में अखिल भारतीय भार्गव सभा का 133वाँ अधिवेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। 22 दिसम्बर 2024 को आयोजित सांस्कृतिक समिति की नृत्य प्रतियोगिता में समाज के बच्चों, युवाओं, और सदस्यों ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से सबका मन मोह लिया। एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुतियों ने यह सिद्ध कर दिया कि हमारे समाज में प्रतिभा और कला की कोई कमी नहीं है।

मैं उन सभी अभिभावकों से निवेदन करना चाहूँगी, जिनके बच्चे इस प्रतियोगिता में भाग लेते हैं या भविष्य में लेना चाहते हैं। यदि आपका बच्चा प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान प्राप्त नहीं कर पाता है, तो कृपया उसे यह समझाएँ कि किसी प्रतियोगिता में केवल स्थान हासिल करना ही सब कुछ नहीं होता। मंच पर अपनी कला और हुनर का प्रदर्शन करना भी एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

पिछले कई वर्षों से मैं देख रही हूँ कि माता-पिता अपने बच्चे को प्रथम स्थान पर देखना चाहते हैं। हाँ, यह स्वाभाविक है, परंतु यह हमेशा बच्चे के भले के लिए नहीं होता। जबकि उन्हें यह समझने का अवसर देना जरूरी है कि जीवन में सफलता केवल प्रतियोगिताओं से नहीं मापी जाती। हारने से भी हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है जैसे – आत्ममूल्यांकन, संघर्ष, और बेहतर बनने की प्रेरणा।

यदि वे अपने प्रयासों और कला के साथ ईमानदार हैं, तो वे निश्चित रूप से अपने लक्ष्य तक पहुँचेंगे। बच्चे का आत्मविश्वास, उनका समर्पण और उनका सृजनात्मकता का विकास ज्यादा महत्वपूर्ण है।

कृपया मेरी इन बातों पर ध्यान अवश्य दें।

- 1) **प्रोत्साहन दें** – अगर बच्चा किसी प्रतियोगिता में हार जाता है या स्थान प्राप्त नहीं कर पाता, तो उसके साथ बैठकर उसकी प्रस्तुति पर चर्चा करें। उसे यह महसूस कराएँ कि मेहनत और निरंतर अभ्यास से ही सफलता प्राप्त होती है।
- 2) **निर्णायक पर सवाल न उठाएँ** – अगर आप बच्चे के सामने निर्णायकों को गलत ठहराएँगे या दूसरे प्रतिभागियों से उसकी तुलना कर उसे बेहतर साबित करने की कोशिश करेंगे, तो यह बच्चे के आत्मविश्वास को कमज़ोर करेगा। वह हमेशा आपकी ओर ही देखेगा। सफल नहीं हो पायेगा।
- 3) **हारना भी सिखाएँ** – बच्चे को सिखाएँ कि हारना जीवन का हिस्सा है। हारने के बाद उसे अपनी कला और क्षमता को सुधारने का अवसर मिलता है।

याद रखें, बच्चों को सच्चे अर्थों में मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें हार का महत्व समझाना भी उतना ही जरूरी है, जितना जीतने का। यह सीख व यही मानसिकता उन्हें न केवल नृत्य प्रतियोगिताओं में बल्कि भविष्य की अन्य बड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करेगी।

मैं सांस्कृतिक कार्यक्रम की सफलता के लिए लखनऊ के सभी आयोजकों, जिन्होंने पूरी शिद्दत के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह किया, प्रतिभागियों, अभिभावकों, और निर्णायक मंडल का तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूँ। आप सभी के सहयोग और समर्थन के बिना यह सम्भव नहीं था।

आशा है कि आप मेरे निवेदन को समझेंगे और अपने बच्चों को सच्चे अर्थों में समर्थ और प्रतिभाशाली बनाने में अपना योगदान देंगे।

— डॉ. नलिनी भार्गव, अध्यक्ष-सांस्कृतिक समिति (अखिल भारतीय भार्गव सभा)

समाज कल्याण समिति

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रज.)

वार्षिक रिपोर्ट

समाज कल्याण समिति द्वारा इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में 35 शहरों के 142 परिवारों की सहायता राशि की अनुशंसा की गई है, जो इस प्रकार है — जयपुर-14; मथुरा-14; लखनऊ-13; दिल्ली-12; अलवर-12; आगरा-8; कोसीकलाँ व रेवाड़ी के 7-7; वाराणसी व गाजियाबाद के 5-5; छाता व कानपुर के 4-4; अलीगढ़ व अजमेर के 3-3; अमरोहा, भरतपुर, कोटा, गुरुग्राम, ग्वालियर, होड़ल, सिरोंज, धौलपुर, खुर्जा व उज्जैन के 2-2; प्रयागराज, बांदीकुर्ई, दरबंगा, बुलंदशहर, खतौली, मुम्बई, मुजफ्फरनगर, नारनौल, बाजना, पूरनपूर व वर्धा के 1-1 परिवारों को और इनके 100 आश्रितों को सहायता राशि की अनुशंसा की गई।

परिवारों को 50,49,000/- रुपये एवं आश्रितों को 8,00,100/- रुपये की सहायता राशि की अनुशंसा की गई। इन सभी परिवारों को श्रीमन् नारायण कोष से भी दशहरा, दीपावली व होली पर 3,53,500/- रुपये की सहायता राशि दी जावेगी। इस प्रकार इस वित्त वर्ष में समाज कल्याण से सहायता प्राप्त परिवारों को कुल 62,02,600/- रुपये की सहायता राशि की अनुशंसा की गई है।

श्री नरेश जी, श्री हीरेन्द्रनाथ जी, श्री सुनील जी का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस वर्ष अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया एवं कमजोर वर्ग को समय पर सहायता उपलब्ध कराई। समिति उन सभी दानदाताओं का तहे दिल से साधुवाद देती है जिनके आर्थिक सहयोग से कमजोर वर्ग के परिवारों को समय पर सहायता राशि वितरित की जा सकी। समिति के प्रभारी श्री दिनेश जी, अध्यक्ष श्री विनोद जी व समिति के समस्त सदस्यों का आभार करता हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से मुझे मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान किया।

‘शीला सदन’, 92, आर्य नगर, अलवर (राज.)

मो.: 09828165261, ईमेल: abhargava92@gmail.com

अशोक भार्गव

सचिव

अंग्रेजी नववर्ष 2025

जाते साल की यादों की रात हंसी-खुशी सब ने मनाई।

गत साल की गलतियों से ले सीख 2024 को दी विदाई।

अंग्रेजी नववर्ष आया, प्राणियों में नवीन आशा लाया।

“बाल” की शुभकामनाएँ, संभालो शुभ मंगल वर्ष आया।

— (संतोष)-बालकृष्ण भार्गव, राजौरी गार्डन,

नई दिल्ली, मो.: 9891910968

आईए कुंभ 2025 के बारे में जाने



श्री बालकृष्ण जी

- **कुंभ है क्या:-** वास्तव में कुंभ का अर्थ कलश/घड़ा से है। इसका संबंध समुद्र मंथन से निकलने वाले अमृत कलश से है। ज्योतिषानुसार कुंभ आयोजित करने का समय तारों व राशियों, सूर्य, गुरु, शनि व चंद्रमा जिन्होंने समुद्र मंथन के समय अमृत की रक्षा की, पर आधारित होता है। जब अमृत कलश के लिए देवता और असुरों के बीच 12 दिन तक युद्ध चला (मनुष्य के लिए 12 वर्ष) व छीना झपटी होती रही। फलस्वरूप कुंभ 12 होते हैं। चार कुंभ धरती पर और आठ कुंभ देवलोक में होते हैं। अमृत कलश से कुछ अमृत की बूंदे छलक कर प्रमुख नदियों में जा गिरी। जहाँ अमृत की बूंदे गिरी वहाँ कुंभ आयोजित होता है। जैसे गंगा, गोदावरी, शिवांगी।
- **कुंभ कब और कहाँ होता है:-** कुंभ मेले का आयोजन आज से ही नहीं बल्कि छठवीं शताब्दी में सप्तांश हर्षवर्धन के शासन में वर्णन मिलता है। कुंभ मेले का आयोजन भारत के चार प्रमुख स्थान 'हरिद्वार, प्रयागराज, (इलाहाबाद) नासिक और उज्जैन' में प्रत्येक 3 वर्ष के अंतराल के पश्चात् आयोजित होता है, फल स्वरूप पुनः उपरोक्त नगरों में कुंभ का आयोजन 12 वर्ष बाद ही हो पाता है जैसे वर्ष 2013 में प्रयागराज में महाकुंभ हुआ था, 6 वर्ष बाद 2019 में अर्ध कुंभ और अब 12 वर्ष बाद 2025 में महाकुंभ प्रयागराज में होने जा रहा है। अगले 3 साल बाद क्रमानुसार नासिक, उज्जैन, हरिद्वार और पुणे, प्रयागराज में 12 साल बाद होगा। सिंह राशि में बृहस्पति एवं मेष राशि में सूर्य का प्रवेश होने पर उज्जैन में होने वाले कुंभ को सिंहस्थ कहते हैं और सिंह राशि में बृहस्पति के प्रवेश होने पर गोदावरी के तट पर नासिक में कुंभ का आयोजन होता है।
- **अर्ध कुंभ क्या है:-** 3 वर्ष के अंतराल पर 'कुंभ', 6 वर्ष के अंतराल पर 'अर्ध कुंभ' और 12 वर्ष के अंतराल पर 'महाकुंभ' का आयोजन होता है। यहाँ अर्ध का मतलब 12 का आधा है।
- **हरिद्वार:-** कुंभ राशि में बृहस्पति का प्रवेश होने पर एवं मेष राशि में सूर्य का प्रवेश होने पर हरिद्वार में कुंभ का आयोजन किया जाता है। हरिद्वार व प्रयागराज में 6-6 वर्ष के अंतराल पर अर्ध कुंभ का भी आयोजन होता है।
- **प्रयागराज:-** गंगा, जमुना एवं सरस्वती के संगम पर 12 वर्षों में होने के कारण इसका विशेष महत्व है। जब बृहस्पति कुंभ राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तब यहाँ कुंभ मेले का आयोजन होता है।
- **नासिक:-** सिंह राशि में बृहस्पति के प्रवेश होने पर कुंभ अर्थ और अमावस्या के दिन बृहस्पति, सूर्य एवं चंद्र के कर्क राशि में प्रवेश होने पर कुंभ आयोजित होता है।
- **उज्जैन:-** सिंह राशि में बृहस्पति एवं मेष राशि में सूर्य का प्रवेश होने पर यहाँ कुंभ का आयोजन होता है और कार्तिक अमावस्या के दिन सूर्य और चंद्र के साथ होने पर एवं बृहस्पति के तुला राशि में प्रवेश होने पर मोक्ष दायक कुंभ का आयोजन उज्जैन नगरी में आयोजित होता है।
- **2025 में प्रयागराज में होने वाला कुंभ:-** यूनेस्को की सूची के अंतर्गत सम्मिलित हो चुके कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लोगों में ।।सर्व सिद्धिप्रदः कुंभः॥ के सूक्ति वाक्य को परिभाषित किया गया है अर्थात् सभी सिद्धियों व मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला कुंभ, लोगों में गंगा-जमुना के संगम के अलावा अपार

जनसमूह, साधु-संतों का स्नान, शंखनाद, मंदिर और स्वास्तिक कलश को भी दर्शाया गया है। यह आत्म जागरूकता और लोक कल्याण के निरन्तर प्रवाह को दर्शाता है। इस कुंभ को महाकुंभ का नाम दिया गया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण तीर्थ यात्रियों का जमावड़ा माना जाता है जिसमें करोड़ों भक्त आते हैं।

- **13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक होने वाले शाही स्नान:-**

- मकर संक्रांति, (प्रथम शाही स्नान) 14 जनवरी 2025
- मौनी अमावस्या (द्वितीय शाही स्नान) 29 जनवरी 2025
- बसंत पंचमी (तृतीय शाही स्नान) 3 फरवरी 2025
- माघी पूर्णिमा 12 फरवरी 2025
- महाशिवरात्रिज्ञ 26 फरवरी 2025

- **कुंभ मेले की कुछ विशेषताएँ:-**

1. सनातन धर्म में कुंभ मेले का अपना आध्यात्मिक महत्व है। कुंभ मेले का प्रमुख प्राथमिक अनुष्ठान व आकर्षक स्नान ही है। स्नान का पौराणिक महत्व स्वर्ग व मुक्ति से है। ऐसा माना जाता है कि इस अवसर पर स्नान करने से मनुष्य जन्म बंधन से मुक्त होकर परमात्मा में लीन होकर उन्हें प्राप्त हो जाता है।
2. समस्त साधुओं में सर्वप्रथम नाग साधुओं को स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त होता है, तत्पश्चात अन्य श्रद्धालुओं को।
3. कुंभ मेले के अंतर्गत संगम तट पर कल्पवास का विशेष महत्व होता है। पुराणों के अनुसार पौष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी से आरंभ होकर माघ शुक्ल एकादशी तक प्रयागराज में कल्पवास का विधान है।
4. कुंभ के अवसर पर अनेकों तपस्वी साधुगण, सिद्ध पुरुष अपनी तपस्या व संयम से असंभव भाव भर्गिमाओं में दर्शन देते हैं व नाना प्रकार की भेष-भूषा में नाना प्रकार के अद्भुत करतब दिखाते हैं। कुंभ ज्ञान, योग, अद्भुत और अनुभूति का विशेष खजाना है।
5. आस्था, विश्वास, सौहार्द एवं संस संस्कृतियों से मिला-जुला संगम व पर्व है। कुंभ ज्ञान, चेतना और उसके परस्पर मंथन कुंभ मेले का वह आयाम है जो आदिकाल से ही हिंदू धर्मावलंबियों की जागृति चेतना को बिना किसी निमंत्रण/आमंत्रण के स्वतः खींच लाता है। कहा जाता है की कुंभ जैसा विशाल मेला संस्कृतियों, साँस्कृतियों व सनातनियों को एक सूत्र में बांधे रखने के लिए व आस्था और दृढ़ विश्वास के लिए आयोजित होता है।
6. होटल्स, आश्रम, धर्मशाला के अतिरिक्त यूपी सरकार इस अवसर पर करीब 100 एकड़ में टेंट के माध्यम से 18 फीट ऊंचाई पर कैप नगर भी बसाया जा रहा है जिसमें कमरे व साइज के अनुसार सारी सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी। लगजरी टेंट व स्वीट टेंट का भी इंतजाम किया जाता है। श्रद्धालु अपने बजटानुसार स्थान ले सकते हैं। यहाँ ठहरना किफायती और सुरक्षित रहेगा व विहंगम दृश्य भी देखे जा सकेंगे।
7. धार्मिक संगठन को अखाड़ा कहा जाता है। अखाड़े में अधिकतर साधु होते हैं। भगवान विष्णु को पूजने वाले साधुओं के अखाड़े को वैष्णव, शिव की पूजा करने वाले अखाड़े को शैव अखाड़ा कहा जाता है। कुंभ में अघोरी, नागा व अन्य दुर्लभ साधुओं को भी देखा जा सकता है।

- कुछ सुझाव:-** अपना आई.डी. कार्ड लेकर चले। होटल आदि में जरूरत पड़ती है। आवश्यक व आकास्मिक संपर्क नंबरों की जानकारी रखें। अजनबी से संपर्क ना करें। किसी प्रकार के लालच में ना पड़े। पंडो से संभाल कर काम लें। संदिग्धा वस्तु को न छुए बल्कि पुलिस को बताये। कचरा फेंकने हेतु कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्लास्टिक की थैली का प्रयोग ना करें क्योंकि वह प्रदूषण फैलाते हैं। सरकार व उच्च न्यायालय द्वारा मेले में पूर्णतः रोक है। यात्रा में हल्का समान ही रखें। सर्दी का ध्यान रखकर जाये। अपनी दवा साथ में लेकर जाये। मेला द्वारा प्राधिकृत घाटों पर ही स्नान करें और पानी में निर्धारित सीमा से आगे ना जाये। खुले में शौच व मूत्र ना करें, ऐसा करने से प्रदूषण व गंदगी बढ़ेगी। इनफेक्शन से बचने के लिए उपलब्ध शौचालय व मूत्रालय का ही उपयोग करें। यातायात के नियमों का पालन करें व निर्धारित पार्किंग स्थान पर ही गाड़ी खड़ी करें। बच्चों का व अपने सामान का पूरा ध्यान रखें। बच्चों की जेब में मोबाइल नंबर व पते की स्लिप अवश्य रख दें। फालतू व मूल्यवान सामान और सोने के आभूषण को साथ ना लाये। उक्साने वाली बाते ना करें, ना उन पर ध्यान दें। साबुन डिटर्जेंट का प्रयोग ना करें व पूजा सामग्री फेंक कर संगम की पवित्रता को दूषित न करें। जेब कतरों व चोरों से सावधान रहें। सम्मोहन से बचने के लिए अजनबी से आँखें मिलाकर बात ना करें।

— (संतोष)-बालकृष्ण भार्गव, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, मो.: 9891910968

प्रदूषण एक धीमा विष

(राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2 दिसम्बर के अवसर पर)

पर्यावरण में दूषित पदार्थों के आ जाने के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाने से उत्पन्न स्थिति को दोष कहते हैं अर्थात् जल, वायु, मिट्टी आदि के दूषित होने के कारण जीवित प्राणियों (जल, थल, वायु) पर विपरीत असर पड़ता है। दक्षिण ध्रुव में ओजोन स्तर का विघटन लगभग 50% तक हो रहा है फलस्वरूप ध्रुवीय प्रदेशों पर सदियों से जमी बर्फ पिघलने लगी है और मौसम पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। प्राकृतिक संतुलन में दोष उत्पन्न हो जाता है तब ना तो शुद्ध जल, शुद्ध वायु, शुद्ध भोजन और ना ही शांत वातावरण मिल पाता है, इसे ही प्रदूषण कहते हैं। आज हम सब विज्ञान के युग में जी रहे हैं। विज्ञान ने मानव को बहुत कुछ दिया किंतु कुछ अभिशाप भी दिए, उनमें एक प्रदूषण है। प्रदूषण के कई प्रकार हैं जैसे वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, कूड़ा कचरा प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, पॉलीथीन व प्लास्टिक प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, रेडियो धर्मी प्रदूषण, तापीय प्रदूषण, प्रकाश प्रदूषण और दूश्य प्रदूषण आदि। मुख्य प्रदूषण तीन प्रकार के होते हैं:-
(1) वायु प्रदूषण, (2) जल प्रदूषण और (3) ध्वनि प्रदूषण।

• वायु प्रदूषण:- वायु प्रदूषण वातावरण में धूल के कणों व नाना प्रकार की गैसों के आ जाने के कारण वातावरण दूषित हो जाता है जो मानव के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है जिसे वायु प्रदूषण कहते हैं। कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड आदि तथा उद्योग, ट्रक व अन्य मोटर वाहनों और पटाखों से पैदा होने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड व अन्य गैसों से वातावरण दूषित हो जाता है। फलस्वरूप जीवित प्राणियों को सांस लेने में परेशानी होती है व फेफड़ों में विकार पैदा हो जाता है और नाना प्रकार की बीमारियों का घिराव होने लगता है। आज हमारा वातावरण अत्यंत दूषित हो गया है उसका एक कारण फैक्ट्री से निकलने वाली गैसों के कारण वायु दूषित हो जाती है। दिल्ली व एन.सी.आर. में कई महीनों तक खेतों में पराली जलाने से भी प्रदूषण बना रहता है। आँखों पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। इसी कारण एन.सी.आर. व अन्य शहरों में स्कूल, अन्य कार्य व ओफिस बन्द करने पड़ते हैं। वायु प्रदूषण वैसे तो हर मानव के लिए हानिकारक है, किन्तु गर्भवती महिलाओं के लिए विशेषकर।

भोपाल में हुए गैस कांड में कारखाने से गैस रिसाव के कारण हजारों लोग बेमौत मर गए और उनकी होने वाली संतानों पर भी बुरा असर पड़ा। यह दिन वर्ष 1984 में हुई उपरोक्त भोपाल गैस त्रासदी की याद में मनाया जाता है।

जंगलों में पेड़ों की अंधा-धुंध कटाई, लकड़ी का फर्नीचर आदि का इस्तेमाल, कोयले के जलने से व तेल शोधन कारखानों के धुंआ आदि के कारण प्रदूषण बढ़ता रहता है। वृक्षों को अंधा-धुंध काटने के कारण मौसम का चक्र भी बिगड़ जाता है और ना तो समय पर वर्षा, ना गर्मी, ना सर्दी आती है बल्कि बाढ़, ओला, और सूखे की मार पड़ती है। शहरीकरण होने व घनी आबादी वाले क्षेत्रों में हरियाली ना होने के कारण भी प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। वायु प्रदूषण से दमा, आँखों में जलन व आँखों की अन्य बीमारियाँ, खांसी-जुकाम, त्वचा की बीमारी व त्वचा कैंसर तक, स्वास्थ्य का गिरना आदि बीमारियाँ होने लगती हैं। फसलों, पेड़ों व ऐतिहासिक इमारत पर भी वायु प्रदूषण का असर पड़ता है। ताजमहल पर भी पर्यावरण का प्रभाव दिखाई देने लगा है।

● **जल प्रदूषण:-** फैक्ट्रियों से निकलने वाला कचरा जो बिना साफ किए हुए नालों व नदियों में डाल दिया जाता है। वह पानी को दूषित कर देता है जिसे जल प्रदूषण कहते हैं। घर से निकला कूड़ा जगह-जगह पर फैलाने के कारण जमीन व भूमि का पानी भी दूषित हो जाता है। जल में यानी नदी नालों में अनौपचारिक सीवेज डालने व उससे उत्पन्न क्लोरीन से भी जल दूषित हो जाता है जो विशेषकर जल में रहने वाले जीवों व पौधों के लिए हानिकारक होता है। इसे जल प्रदूषण कह सकते हैं। आँखों पर तेज प्रकाश पड़ने को प्रकाश प्रदूषण कहते हैं।

जल प्रदूषण से मनुष्य, पशु पक्षियों के स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। वे पीलिया, हैजा, टाइफाइड व गैस्ट्रिक आदि बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। इससे जल में रहने वाले जीव व वनस्पतिक प्रजातियों पर भी बुरा असर पड़ता है। जमीन के नीचे का पानी भी दूषित हो जाता है और साफ पानी की कमी होने लगती है।

● **ध्वनि प्रदूषण:-** अत्यंत शोर व शोर करने वाली वस्तुएं एवं मशीनों की आवाज, जो हमारे कानों को नहीं सुहाती हो उसको ध्वनि प्रदूषण कहते हैं। लंबे समय तक ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव से सुनने की शक्ति का कमजोर होना, सिर दर्द, चिड़चिड़ापन, स्वभाव में परिवर्तन उच्च रक्तचाप, मनोवैज्ञानिक व अन्य प्रकार के दोष उत्पन्न होने लगते हैं।

पर्यावरण को नियंत्रित करने में व्यवसाय की तीन प्रकार की भूमिका हो सकती है - (1) उपचारात्मक (2) जागरूकता और (3) निवारणात्मक।

- **उपचारात्मक:-** यदि व्यावसायिक इकाइयाँ पर्यावरण को दूषित करने वाली चीजों को संशोधित कर वातावरण में छोड़ें अथवा उसमें सुधार व नियंत्रित करें ताकि वह किसी प्रकार की हानि न पहुँचा सके। इसके अतिरिक्त अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाए।
- **जागरूकता:-** आम आदमी चाहे किसी भी आयु वर्ग का क्यों ना हो उसे व कर्मचारियों को पर्यावरण प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारियों व अन्य हानियों के बारे में समझाएं ताकि वे स्व-इच्छा से इस कार्य को लगन के साथ तथा दूसरों को भी प्रेरणा मिले। इस कार्य हेतु जगह-जगह मीटिंग कर सबको समझाएं, जिससे वह जागरूक बन एक चेन सिस्टम की तरह काम करें।
- **नीवारणात्मक:-** व्यावसायिक इकाइयाँ सरकार द्वारा लागू किए गए प्रदूषण नियंत्रण संबंधी नियमों का पूरी तरह पालन करें। हमको ऐसे कदम उठाने चाहिए जिससे प्रदूषण बढ़ ना पाए, बल्कि घटता रहे। जब पॉलिथीन पर पूरी तरह से पाबंदी है, तब इसका उत्पादन कैसे होता है? अतः बनाने वाले, बेचने वाले या देने वाले और जिनके हाथ में पॉलिथीन हो, उन पर तुरंत बिना देर किए उचित

कार्यवाही या जुर्माना होना चाहिए। मेरे विचार से सरकार जब तक पॉलिथीन जैसा मजबूत व सस्ता विकल्प नहीं निकाल पाएगी तब तक पॉलिथीन पूरी तरह से समाप्त नहीं हो पाएगा।

● सारांश:- यह सही है कि विकास के लिए नई-नई तकनीक का प्रयोग अवश्य ही करें, किंतु यह भी सुनिश्चित कर लें कि इससे हमारे पर्यावरण पर किसी प्रकार की हानि न पहुँचे। प्राकृति का अनियंत्रित दोहन कर पर्यावरण को और अधिक दूषित न करें। छोटे-छोटे उपाय से मनुष्य पर्यावरण को बचाने में बहुत कुछ कर सकता है जैसे पूजा के नाम पर नदियों को गंदा ना करें, प्रत्येक शुभ अवसर पर पेड़ स्वयं व दूसरों से लगवा कर, खेतों में रासायनिक पदार्थ का कम उपयोग करके, पराली ना जलाकर, वनों की सीमित कटाई करके आदि। कहना ही पड़ेगा कि अब वह समय आ गया जब मनुष्य को अपने स्वार्थ के कारण प्रकृति की अमूल्य सौगात को हानि पहुँचाना बंद करना होगा व पर्यावरण संभाल कर रखना होगा वरन् आने वाली संतान वर्तमान को कोसेगी। अंत में हम कह सकते हैं कि प्रदूषण एक प्रकार का धीमा जहर है।

— (संतोष)-बालकृष्ण भार्गव, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, मो.: 9891910968

समय पुराना था

तन ढँकने को कपड़े न थे,
फिर भी लोग तन ढँकने का
प्रयास करते थे ...!
आज कपड़ों के भंडार हैं,
फिर भी तन दिखाने का
प्रयास करते हैं
समाज सभ्य जो हो गया है।

समय पुराना था,
आवागमन के साधन कम थे।
फिर भी लोग परिजनों से
मिला करते थे ...!
आज आवागमन के
साधनों की भरमार है।
फिर भी लोग न मिलने के
बहाने बनाते हैं।
समाज सभ्य जो हो गया है।

समय पुराना था,
घर की बेटी,
पूरे गाँव की बेटी होती थी।
आज की बेटी पड़ोसी से ही
असुरक्षित है ...!
समाज सभ्य जो हो गया है।

समय पुराना था,
लोग नगर-मोहल्ले के बुजुर्गों
का हालचाल पूछते थे ...!
आज माँ-बाप तक को
वृद्धाश्रम में डाल देते हैं।
समाज सभ्य जो हो गया है।

समय पुराना था,
खिलौनों की कमी थी।
फिर भी मोहल्ले भर के बच्चे
साथ खेला करते थे ...!
आज खिलौनों की भरमार है,
पर बच्चे मोबाइल की जकड़
में बंद हैं ...!!
समाज सभ्य जो हो गया है।

समय पुराना था,
पड़ोसी के घर मे आए
रिश्तेदार का भी पूरा
परिचय पूछ लेते थे ...!
आज तो पड़ोसी का नाम
तक नहीं जानते ...!!
समाज सभ्य जो हो गया है।

वाह रे आधुनिक सभ्य समाज

॥ महर्षि भृगु के वंशज भार्गव ऋषि ॥

— पं. राजकिशोर भार्गव, भोपाल, मो.: 9685049401



सम्पूर्ण सृष्टि अप्रकट एवं शान्त अवस्था में थी, उस काल में भगवान् श्रीविष्णु के नाभि - कमल पर ब्रह्मा का प्रादुर्भाव हुआ। ब्रह्मा ने सृष्टि - विस्तार तथा प्रजा - वृद्धि के मुख्य कार्य को सम्पादन करने के लिये अपने द्वारा मानस - पुत्रों को उत्पन्न किया था। ब्रह्मा के इन मानस पुत्रों में से एक महर्षि भृगु थे। महर्षि भृगु को ख्याति नामक पत्नी से विधाता एवं धाता नामक दो पुत्र तथा श्री (लक्ष्मी) नामक एक पुत्री हुई थी। श्री (लक्ष्मी) का विवाह श्रीनारायण (श्रीविष्णु) के साथ हुआ था। धाता के पौत्र मार्कण्डेय अल्प आयु के थे। मार्कण्डेय ने अपने पिता मृकण्डु के आदेश पर श्री शिवशंकर की आराधना कर, कल्प - कल्पान्तर तक जीवित रहने (चिरायु होने) का वरदान प्राप्त किया था। मार्कण्डेय ऋषि ने श्रीशिव व देवी - दुर्गा की स्तुतियों के अनेक ग्रन्थों की रचना की हैं। दैत्यराजा हिरण्यकश्यप की पुत्री दिव्या का विवाह महर्षि भृगु के साथ हुआ और कवि (शुक्राचार्य) नाम के एक पुत्र हुए थे। कवि 'शुक्राचार्य' के दैत्य गुरु बनने से दैत्य (असुरों) का साम्राज्य वैभवशाली व शक्ति सम्पन्न बना था। 'दैत्यगुरु शुक्राचार्य का यह पद' दैत्यराजा प्रह्लाद से लेकर दीर्घकाल दशग्रीव 'रावण' (राक्षस) के राज्यशासन तक गौरव पूर्ण इतिहास के साथ सम्पन्न हुआ था।

आगामी मन्वन्तर के काल में ब्रह्मा 'प्रजापति' के मानस - पुत्र भृगु 'प्रजापति' हुए थे। भृगु 'प्रजापति' ने महर्षि कश्यप के 12 आदित्य पुत्रों में से वरुण नाम एक आदित्य (सूर्य) को अपना पुत्र स्वीकार किया था। वरुण 'भृगु' (एक - आदित्य, सूर्य) और देवी चर्षणी के पुत्र का नाम भृगु 'वारुण' था। वैदिक - काल में भृगु 'वारुण' ने सर्वप्रथम 'ब्रह्मविद्या' (ब्रह्मज्ञान) को अपने पिता वरुण 'भृगु' (एक - आदित्य, सूर्य) से प्राप्त किया था। (भृगुवल्ली, तैत्तिरीय - उपनिषद् नामक ग्रन्थ)

हमारे आद्य महापुरुष भृगु 'वारुण' ऋषि के गुरु तथा पिता वरुण 'भृगु' (एक - आदित्य, सूर्य) इसी कारण ही हमारे समस्त भृगु वंश अर्थात् "भार्गव ब्राह्मण समाज" के प्रथम - आराध्य एवं आद्य - 'देवता' (कुल - देवता) माने जाते हैं। भृगु ऋषि अपने तपोबल के कारण शाप व वरदान दोनों को प्रदान करने में सामर्थ्यवान थे। भृगु ऋषि ने अग्नि को सर्वधक्षण किन्तु सदैव पवित्र रहने एवं राजा नहुष (इन्द्र) को सर्प बनने का शाप दिया था। त्रिदेव में श्रेष्ठ - देवता की परीक्षा के पश्चात् श्रीविष्णु को सर्वश्रेष्ठ देवता भृगु ने घोषित किया था। भृगु ऋषि ब्रह्मविद्या, चतुर्वेद, वास्तुज्ञाता, ज्योतिषशास्त्र, रथ निष्पादन, अग्नि - प्रवर्तक, विद्युत् व शस्त्र अविष्कारक, संजीवनी - विद्या के पूर्ण ज्ञाता हुए थे, साथ ही वेद - संहिता में मन्त्रद्रष्ट्या ऋषि हुए हैं।

भृगु 'वारुण' ऋषि के कुल 19 पुत्रों में से 12 देवता, 5 ब्रह्मनिष्ठ और 1 भार्गव उशना 'शुक्र' (शुक्राचार्य) तथा 1 भार्गव च्यवन ऋषि थे। शुक्राचार्य के अधिकांश वंशज देवासुर - संग्रामों में विनष्ट हुए और शेष भार्गव च्यवन ऋषि के वंश में समाविष्ट हुए थे। भृगु 'वारुण' और देवी पुलोमा के पुत्र भार्गव च्यवन ऋषि की प्रथम पत्नी मनु, पुत्री आरुषी तथा द्वितीय राजा शर्याति, पुत्री सुकन्या थी। च्यवन को आरुषी से अप्जवान (उर्व, और्व) तथा सुकन्या से प्रमति तथा दधीचि नाम के दो पुत्र उत्पन्न हुए थे। प्रमति के पुत्र

रुह, पौत्र शुनक तथा प्रपौत्र शौनक हुये थे। शौनक ऋषि के आश्रम में 80 हजार ऋषि - विद्यार्थी वेदाध्ययन निरन्तर करते थे। पुराण आदि अन्य धर्म ग्रन्थों में मुख्य सम्बाद (प्रश्न व जिज्ञासा कर्ता) शौनक ऋषि के द्वारा ही प्राप्त होता है। उस काल के अनेक आध्यात्मिक विद्वान व मुमुक्षु प्रमाणिकता के आधार पर अपनी - जिज्ञासा को शान्त करने के लिये शौनक ऋषि के आश्रम में आते थे और शौनक ऋषि के ज्ञान तथा उत्तर से संतुष्ट होते थे।

भार्गव च्यवन ऋषि के पुत्र दधीचि ने देव कार्यसिद्धि के लिये अपने प्राण त्याग कर अपनी अस्थियों का महादान किया था। दधीचि की अस्थियों से निर्मित 'वज्र' नामक शस्त्र से इन्द्र ने देवासुर संग्राम में वृत नामक असुर (वृतासुर) का वध कर समस्त असुरों पर विजय प्राप्त की थी। दधीचि ऋषि के पुत्र पिप्पलाद मुनि ने बाल्यावस्था में अपने पिता की छल से मृत्यु के कारण शनि - ग्रह को प्रताङ्गित किया था। तब शनि ने पिप्पलाद को आश्वासन दिया था कि "जो तुम्हारा स्मरण करेंगा, वह मनुष्य मेरी कोप - दृष्टि से सदैव वर्चित रहेगा।" पिप्पलाद मुनि उस काल के तत्त्वज्ञ ऋषि थे। पिप्पलाद मुनि के आश्रम में अनेक ऋषि (विद्यार्थी) निरन्तर वेदाध्ययन के लिए आते थे। प्रश्न - उपनिषद् नामक ग्रन्थ में यह सन्दर्भ आता है कि पिप्पलाद ऋषि ने अनेक जिज्ञासु यथार्थ - ज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न पुछते थे और पिप्पलाद मुनि के उत्तर से वह सब पूर्ण संतुष्ट होते थे।

भार्गव च्यवन ऋषि के वंशज और्व ऋषि 100 वर्ष तक अपनी माता की जंघा के अन्दर गर्भ - रूप में रहे थे। जन्म के समय और्व ऋषि के तेज से क्षत्रिय राजाओं की नेत्रहीन क्षण हो गयी थी। अंधे क्षत्रिय राजाओं ने प्रार्थना कर और्व ऋषि को प्रसन्न किया था, तब उन्हें दृष्टि प्राप्त हुई थी। अयोध्या के राजा वृक के पुत्र बाहु को उसके शत्रु हैह्य तथा तालजंघ ने राजच्युत किया था। और्व के आश्रम में बाहु राजा की मृत्यु हो गई। बाहु की पत्नी सती होने वाली थी, परन्तु यह गर्भवती थी। यह ज्ञात होते ही और्व ऋषि ने बाहु की पत्नी को अपने आश्रम में आश्रय दिया। बाद में बाहु की पत्नी को सगर नामक पुत्र हुआ था। और्व ऋषि ने सगर को शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा के साथ ही अनेक शस्त्र प्रदान किये थे। तदोपरान्त सगर ने हैह्य, तालजंघ एवं यवन आदि अनेक राजाओं पर विजय प्राप्त की थी और पुनः अयोध्या राज्य को प्राप्त किया था।

ऋचीक 'और्व' ऋषि ने कान्यकुञ्ज क्षत्रिय राजा गाधि की कन्या सत्यवती से सहस्र श्याम कर्ण अश्व देकर विवाह किया था। सत्यवती ने स्वयं के लिये व अपनी माता के लिये उत्तम गुणों से युक्त पुत्र प्राप्ति के लिए अपने पति ऋचीक ऋषि से आग्रह किया। ऋचीक ने ब्रह्मणोत्पती व क्षत्रियोत्पती के लिये दो चरु सिद्ध कर, सत्यवती को दिये थे। दोनों चरु आपस में बदल गये, तब सत्यवती ने ऋचीक से अनुरोध किया कि मेरा पुत्र क्षत्रिय स्वभाव का न हो, अपितु पौत्र हो। कालान्तर में सत्यवती एवं ऋचीक के जमदग्नि सहित सौ पुत्र हुए थे। भार्गव जमदग्नि ऋषि का विवाह प्रसेनजित नामक इक्षवाकु वंशीय क्षत्रिय राजा की कन्या रेणुका के साथ हुआ था। धनुर्विधा के अभ्यास समय रेणुका सदैव अपने पति जमदग्नि का सहयोग करती थी। एक समय सूर्य के अत्यधिक ताप के कारण रेणुका का पैर जल गया। तब जमदग्नि को सूर्य पर अत्यधिक क्रोध आया। जमदग्नि के शाप भय के कारण साश्रात् सूर्य स्वयं प्रकट हुआ और अपने ताप से रक्षा करने के लिये एक क्षत्र एवं पैरों की सुरक्षा के लिये चरणपादुका को प्रदान किया था।

वर्तमान सातवें वैवस्वत नामक मन्वन्तर के काल में जमदग्नि सप्त - ऋषियों में से एक ऋषि हैं।

जमदग्नि एव रेणुका के रुमण्वत्, सुषेण, वसु, विश्वावसु तथा राम (श्री परशुराम) नामक पाँच पुत्र हुए थे। सभी पुत्रों में राम सबसे कनिष्ठ होते हुये भी सबसे श्रेष्ठ थे। राम ने अपने प्रथम गुरु पिता जमदग्नि से शस्त्र विद्या का ज्ञान प्राप्त किया था। तत्पश्चात् पिता के आदेशानुसार राम (परशुराम) ने श्री शिवशंकर की आराधना कर उन्हें प्रसन्न किया था। श्रीशिव ने अस्त्र - शस्त्र व समस्त विद्याओं का ज्ञान राम को प्रदान किया था। राम को श्रीशंकर के द्वारा प्रदत्त अमोध 'परशु' नामक अस्त्र के प्राप्त होने पर राम 'परशुराम' के नाम से प्रसिद्ध हुए थे। श्रीशिव के भक्त तो असंख्य हैं किन्तु शिष्य केवल श्री परशुराम 'जामदग्न्य' है।

एक बार हैह्य वंशीय का राजा कार्तवीर्य 'सहस्रबाहु' अपनी समस्त सेना सहित जमदग्नि के आश्रम पहुँचा था। जमदग्नि - आश्रम के ऐश्वर्य से प्रभावित होकर, कामधेनु को बलपूर्वक हरण कर अपने साथ ले गया, विरोध करने पर कार्तवीर्य राजा ने जमदग्नि ऋषि का वध कर दिया था। यह समाचार का ज्ञान होने पर श्री परशुराम ने कार्तवीर्य राजा के साथ महासंग्राम किया। इस युद्ध में राजा कार्तवीर्य के समर्थक व अत्याचारी अनेक राजाओं व उनकी सेनाओं का श्री परशुराम के द्वारा नाश हुआ। इस क्रम में 21 बार पृथ्वी से मात्र अत्याचारी क्षत्रिय राजाओं का विनाश श्री परशुराम के द्वारा हुआ था। श्री परशुराम ने पृथ्वी पर धर्म - आधारित राज्य की स्थापना के लिये समस्त विजयी - भूमि को महर्षि कशयप को दान कर दिया था। 1200 योजन भूमि को समुद्र से प्राप्त कर ब्राह्मणों को दान में देने वाले परशुराम महादानी व महान पराक्रमी योद्धा हुए हैं। भृगुकुच्छ (भडूच, गुजरात) से लेकर केरल, कन्याकुमारी तक का पश्चिमी समुद्र तट का परशुराम - देश अथवा शूर्पारक - प्रदेश के नाम से प्रसिद्ध हुआ था। श्री परशुराम ने हिमाचल स्थित कोचि - पर्वत को एक तीर से भेदन कर सुरंग का निर्माण किया था। यह सुरंग मानसरोवर यात्रा के लिए वर्तमान में उपयोगी है। ब्रह्मकुण्ड के पवित्र जल की धारा को 'ब्रह्मपुत्र - नदी' रूप में प्रवाहित श्री परशुराम ने किया था।

महर्षि भृगु के वंश में श्री परशुराम 'जामदग्न्य', ऋचीक, और्व, च्यवन, शुक्राचार्य, दधीचि, पिप्पलाद, गृत्समद, जाबालि, त्वष्टा, विश्वकर्मा, वीतहव्य, वेदशिरस्, वेन, शुनक, शौनक, सारस्वत, दिवोदास, धाता, विधाता, मार्कण्डेय, मित्रेयु, मृकण्डु, रुरु, वैशम्पायन, पतंजलि, यास्क, याज्ञवल्क्य, पाणिनि, आचार्य चाणक्य, आद्य शंकराचार्य, श्री हेमचन्द्र भार्गव 'विक्रमादित्य' और श्री चरणदास जी इत्यादि अनेक ऋषियों और महापुरुषों ने सनातन - धर्म और आर्य - संस्कृति का विस्तार, धर्म - शास्त्रों की रचना एवं मानव सभ्यता के क्रमिक विकास में अपना बहुमुल्य योगदान प्रदान किया हैं। भृगुकुल के आश्रम समुच्चे भारत देश सहित यूरोप, एशिया, मेरु - प्रदेश तथा फ्रिगिया आदि देशों तक वैदिक ऋचाओं के उच्चारण के साथ ही यज्ञ - कर्म का प्रचार - प्रसार के मूल केन्द्र रहें हैं।

ऐसे महान भृगु - वंश में जन्म हम अर्थात् 'भार्गव - ब्राह्मण' होने के कारण हमें अपने पुर्वजों के आदर्श व उत्तम चरित्र का अनुसरण करना चाहिये। वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुरूप असंगठित हुए समाज को संगठित कर समाज में व्याप्त कुरितियों को समाप्त करने और अपने माता पिता, गुरुजन तथा आयु में बढ़े एवं अनुभवी सज्जनों का आदर व आज्ञा का पालन करना हमारा मूल कर्तव्य होना चाहिए, ताकि हमारा जीवन सफल और सार्थक बन सकें। हार्दिक शुभकामनाएँ।

(लेखक "भार्गव ऋषियों की सनातन संस्कृति" नामक ग्रन्थ के शोधकर्ता है।)

संस्कारों का जीवन में महत्व

मानव को जीवनयापन हेतु जिस प्रकार भोजन, वस्त्र, स्वच्छ हवा और जल आदि मूलभूत वस्तुओं की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार अपने जीवन को सफलता की ओर ले जाने के लिए संस्कारों की भी हमारे जीवन में अहम भूमिका होती है।

संस्कार अर्थात् अपने जीवन को संवारना।

एक पीढ़ी अपनी दूसरी पीढ़ी को अपने संस्कारों को सदैव हस्तांतरित करती आ रही है।



परोपकार सत्य का पालन करना, दूसरों के प्रति मान सम्मान आदि कई गुण हमारे व्यवहार में परिलक्षित होते हैं जिन्हें हम व्यवहारिक जीवन में संस्कारों का नाम देते हैं। डिजिटल होते इस युग में हमारे युवा सब कुछ एक किलक पर कर लेने की कामना रखते हैं। समयाभाव, एक-दूसरे से होड़ आदि कई ऐसे कारण हैं जिनके कारण आज की युवा पीढ़ी संस्कारों को दर किनार कर आगे बढ़ जाने की इच्छुक रहती है।

अपनी लिखी एक कहानी आपके साथ साझा करती हूँ-

बचपन में मेरी माँ हमेशा ही परोपकार, धैर्य और सच बोलने के महत्व को हम भाई-बहनों को अक्सर समझाती थी।

हम पति-पत्नी ने महसूस किया कि हमारे बड़े बेटे के स्वभाव में बहुत ही उतावलापन है। उस समय मुझे अपनी माँ की बातें बहुत याद आईं।

निरंतर मैं भी अपनी माँ से मिली हुई सीख उस तक पहुँचाने की कोशिश करती थी।

वह अपनी पढ़ाई पूरी करके अपना व्यवसाय करना चाहता था। हम चाहते थे कि वह आर्मी ज्वॉइन कर ले।

उसे समझाते-समझाते हम पति-पत्नी हार मान चुके थे, कुछ भी कहने पर घर से उठकर दोस्तों के पास चला जाता था।

आखिर पति और मैंने इस समस्या का हल निकालने के लिए उसके दादा जी से बात की, पूरी बात सुनकर उन्होंने कहा कि तुम लोग चिंता मत करो, मैं आता हूँ।

दादा जी के आने से हम सब बहुत खुश हुए। दादा जी ने कुछ दिन बड़े बेटे के साथ गुजारे और हम लोगों से कहा कि वह नौकरी नहीं करना चाहता है, उस पर तुम लोग अपनी इच्छा मत डालो। वह अपना कुछ काम करना चाहता है, उसे करवा कर देखते हैं।

अजय ने रेडीमेड गारमेंट का काम शुरू किया। जान पहचान बालों, सबको अवगत करवाया गया, परन्तु उसका यह काम नहीं चल रहा था।

अजय के अनुसार अब वह खानपान का व्यवसाय करना चाहता था जिसके लिए फूड लाइसेंस लेना आवश्यक होता है। अप्लाई करने के बाद लाइसेंस आने में कुछ समय लगता है। पिता जी ने अजय से कहा तुम धैर्य रखना, प्रक्रिया में कुछ समय लगता है।

(चूंकि रेडीमेड गारमेंट में शर्ट्स थीं जो बहुत ज्यादा भी नहीं थीं, लेनदेन में काम आ जाएगी, ये सोचकर हम सबने भी फूड लाइसेंस अप्लाई करवा दिया था)

फूड लाइसेंस आ गया, काम शुरू हो गया पर अपने स्वभाव अनुसार कुछ दिन बाद ही वह फिर उतावला होने लगा, दादा जी के पास जाकर बोला ‘दादाजी ये काम भी नहीं चल रहा है, ये काम ठीक नहीं है ऐसा करते हैं दादा जी इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान की दुकान खोल लेते हैं।’

उसको समझाने के उद्देश्य से दादा जी ने अजय से आम का पेड़ लगवाया, क्योंकि उसे आम बहुत पसंद था। कुछ देर बाद वे अजय से बोले, “जरा बाहर जाकर देखना उन गुठलियों में से फल निकला कि नहीं?”

“अरे...! इतनी जल्दी फल कहाँ से निकल आएगा दादा जी, अभी कुछ ही देर पहले ही तो गुठलियाँ जमीन में डाली थीं。”

“अच्छा, तो रुक जाओ थोड़ी देर बाद जा कर देख लेना!”

कुछ देर बाद उन्होंने फिर से उसे बाहर जा कर देखने को कहा।

लौट कर बोला, “कुछ भी तो नहीं हुआ है दादा जी...

आप फल की बात कर रहे हैं, अभी तो गुठली से पौधा भी नहीं निकला है।”

“लगता है कुछ गड़बड़ है!”, दादा जी ने आश्चर्य से कहा...

कुछ देर बाद दादा जी फिर से बोले, “अजय बेटा, जरा बाहर जाकर देखना, इस बार जरूर फल निकल आए होंगे।”

अजय इस बार भी वही जवाब लेकर लौटा और बोला, “मुझे पता था इस बार भी कुछ नहीं होगा, कुछ फल-बल नहीं निकला...”

“अच्छा ऐसा करते हैं हम इस बार गुठलियों को ही बदल कर देखते हैं... क्या पता फल निकल आए?” ऐसा दादाजी ने अजय से कहा।

अजय ने अपना धैर्य खो दिया और झल्लाते हुए बोला... “दादा जी कोई भी बीज लगाने के बाद उससे फल निकलने में समय लगता है, आपको बीज को खाद-पानी देना पड़ता है, लम्बा इन्तजार करना पड़ता है, तब कहीं जाकर फल प्राप्त होता है।”

दादा जी मुस्कुराए और बोले-

बेटा, यहीं तो हम सब तुम्हें समझाना चाहते हैं कि तुम कोई काम शुरू करते हो, कुछ दिन मेहनत करते हो, फिर सोचते हो काम में फायदा क्यों नहीं हो रहा है?

इसके बाद तुम किसी और जगह वहीं या कोई नया काम शुरू करने की सोचने लगते हो। इस पर भी तुम्हें परिणाम नहीं मिलता। फिर तुम सोचते हो कि ये धंधा भी बेकार है।

एक बात समझ लो जैसे आम की गुठलियाँ तुरंत फल नहीं दे सकती, वैसे ही कोई भी कार्य तब तक अपेक्षित फल नहीं दे सकता जब तक तुम उसे पर्याप्त प्रयत्न और समय नहीं देते।

इसलिए इस बार अधीर हो, कोई काम बंद करने से पहले आम की इन गुठलियों के बारे में सोच लेना। कहीं ऐसा तो नहीं कि तुमने उसे पर्याप्त समय ही नहीं दिया।

अजय अब अपनी गलती समझ चुका था। उसने मेहनत और धैर्य के बल पर जल्द ही एक नया व्यवसाय चालू किया और इस समय अपना रेस्टोरेंट चला रहा है।

अब तो उसके दादा जी नहीं है, परंतु उनकी दी हुई सीख उसे अच्छी तरह से याद है कि अगर धैर्य रखना सीख लिया तो हर चीज समयानुसार अवश्य ही मिल जाती है।

जीवन का सार है कि—

1. जीवन में मन की शांति अति आवश्यक है। जीवन के उतार-चढ़ाव से कभी भी विचलित नहीं होना चाहिए।
2. सदैव दूसरों की सेवा दैवीय भाव से करें, इससे हमारे व्यक्तित्व में सकारात्मकता तथा सदभाव की वृद्धि होती है।
3. दूसरों को भी हमें धैर्यपूर्वक सुनना चाहिए, इससे हमारा अहंकार दूर होता है।
4. जीवन में झुकना सीखें; जिस प्रकार आंधी तूफान में जो वृक्ष झुक जाते हैं वह गिरते नहीं है बल्कि आंधी तूफान के प्रहार से बच जाते हैं, उसी प्रकार से हम सब अपने जीवन में आने वाली विषम परिस्थितियों का सुगमता से सामना कर सकते हैं।
5. हमें ज्ञान अर्जित करने के साथ-साथ उसका सदुपयोग भी करने आना चाहिए ताकि प्रतिकूल परिस्थितियों का दृढ़ता पूर्वक सामना किया जा सकें।

उपरोक्त सभी बातें जीवन चक्र में हम अपनाए तो बड़ी से बड़ी बाधा का सामना कर उस पर विजय प्राप्त की जा सकती।

— श्रीमती कुलजीत भार्गव, गोमती नगर, लखनऊ

With Best Compliments From

Calcutta Security Printers Limited

PRINTERS OF CHEQUES, DRAFTS, BONDS,
DIVIDEND WARRANTS, POSTAGE STAMPS & STATIONERY
PACKAGING & PUBLICITY MATERIALS

Registered Office & Works :

12/478-A, McRobert Ganj, KANPUR – 208001

Phones : (0512) 2525197, 2526105, 2525798 • Fax : (0512) 2555491

E-mail : cspl@live.com • cspcomm@gmail.com



Branch Office :

Unit A-III (1st Floor), Central Plaza, 41, B.B. Ganguly Street, KOLKATA–700012

Phones : 09903432912 • Fax: (033) 22287866

SANDEEP BHARGAVA

Founder, Chairman, and Managing Director of KSS Shipping Services Pvt. Ltd.

Mr. Sandeep, a marine engineer, has dedicated over 37 years to the global shipping and offshore industry, earning a reputation as a visionary entrepreneur and industry leader.



KSS Shipping Services Pvt. Ltd. was established in 2005 and in last 20 years, he has steered the company to global prominence. KSS Shipping Services is one of the top in the country in their domain but has also become a trusted leading organisation in structural assessment of marine structures using Non-Destructive Testing (NDT) techniques, remote survey solutions, and supervision of complex repairs in diverse & complex geographies. The company has earned the trust of prestigious global corporations and accreditation from several members of the International Association of Class Societies, making it a benchmark for quality and reliability in the maritime industry.

Sandeep's journey has been defined by his ability to blend strategic leadership with technical expertise. Over the years, he has held pivotal roles in ship management, maritime administration, and technical operations, addressing complex challenges with precision and insight.

His educational foundation, which includes a Bachelor of Engineering in Marine Engineering from the Marine Engineering College under the Ministry of Shipping and the Marine Engineer Officer Class I Certification from the Government of India, laid the groundwork for his remarkable career.

Sandeep attributes his success to the unwavering support of his family and team together with the dedicated employees of KSS Shipping Services, who have stood as the company's pillars. He has built an organization that thrives on excellence, innovation and a shared commitment to its mission.

Beyond his professional accomplishments, he is committed to giving back to society through impactful Corporate Social Responsibility initiatives.

Last year, KSS provided financial literacy education and certification to 1,000 rural and self-help group (SHG) women, enabling them to achieve economic independence. This year, the company has extended its efforts by offering financial assistance to women and their families, with a focus on marginalized individuals and single-survivor women.

With Best Compliments

Anil Bhargava : 9810024116

Rajat Bhargava : 9873434821

Deals in:

Paper

Paper Board

Kraft Paper

Waste Paper

Polyester Film

ITC Make Paper Board

Sakata make offset Inks

**Water Based Barrier Coating for Paper, Paper Board FDA
approved Management Consultancy**

PRINCIPALS:

- **Sidharth Papers Pvt. Ltd.**
- **Siddheshwari Paper Udyog Pvt. Ltd.**
- **Polyplex Corporation Ltd.**
- **Sakata Inx(India) Pvt. Ltd.**
- **Anand Duplex Ltd.**
- **Also deal in ITC/ JK Paper/ Bilt**

ABBA CONSULTANTS PVT. LTD.

107, Sidhartha Chambers, 55-A,

KaluSarai, HauzKhas, New Delhi-110016

Email Id:- anilbhargava@gmail.com, rajat14@gmail.com



PAPER GREENS

S-5, Opposite DharamKanta,

RIICO Industrial Area, Mansarovar, Jaipur- 302020, Rajasthan

In addition to his professional and social contributions, Sandeep is a passionate marathon runner, having completed numerous international marathons.

He successfully ran full 42.195 km Marathon (Rath/ Standard Chartered/ Tata Mumbai) in 1986, 2010, 2011, 2012 x 2, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019 and 2020.

In addition, he ran a couple of half marathon and during his practice.

Athletics: *He was the College Athletic Captain in 1987 and won DMET Athletic Championship and Cross-Country Championship in 1985 and 1987. In 1986 and 1987, he won a couple of long distance events in Inter Engineering College Athletic meet. He also Ran in India Open Rath Marathon (42.195 km) - ranked 35th in 1986.*

In Walking - 50 km – he represented West Bengal team - ranked 14th in 1986.

In Rowing represented UP State Team at India National Level in 1981.

In Swimming , was a runner up in 4 events at Uttar Pradesh State Level meet in 1979.

Apart from above-mentioned sports won at College/ Club/ District and State level on numerous occasions.

His commitment to discipline, resilience, and personal growth is reflected not only in his athletic achievements but also in the way he leads his business and life.

Family Details:

Father	: Shri Kishan Chand Bhargava, Lucknow
Mother	: Late Smt Radha Bhargava
Wife	: Shaivy Bhargava, is co-owner in business and has provided a helping hand in business. She has a wide experience in field of music and looked after family welfare in over last 30 years.
Daughter	: Shivangi Bhargava is married to Abhishek Kulkarni and settled in San Francisco
Elder Son	: Sagar Bhargava, 26 yr, after Mechanical Engineering working in company and being trained as successor in business towards ensuring the continuity of the family's entrepreneurial vision.
Younger Son	: Shaylan Bhargava, 12 yr and is currently studying
Elder Brother	: Retd Brig Akhelesh Bhargava married to Smt Anupma Bhargava and settled in Gurgaon
Elder Sister	: Smt Anupma Bhargava married to Shri Harish Bhargava, Kolkata (Zonal Vice President, East)
Younger Sister	: Smt Anuradha Bhargava married to Shri Devesh Bhargava, New Delhi

Contact details:

Mobile: +91 9820571700; +91 9167300370

E mail: sandeep@kss-shipping.com; sandeep3417@gmail.com

With Best Complement From

Sandeep Kumar Bhargava

9460724170

Neeru Bhargava

7976589484

Ekta - Tushar Bhargava

Nikita - Anugrah Bhargava

Aadhya Bhargava

**Address: 10, Kamal Vihar, Mangyawas Road
Opp Rajat Path, Mansarovar, Jaipur-302020**

With Best Complement From:

Anil Bhargava (Gopalpura)

M. 9001791703

Shobha Bhargava

M. 9829136764

Ankesh Bhargava

M. 9983599959

Address: 93, Krishna Nagar, Gopalpura Road, Jaipur- 302015



OUR LEADING BRANDS



BLACK BUCK
mark of better you.

PAN AMERICA
DESIGN FRESH AND FABRIC



**श्रीमती सुलभा एवं स्वर्गीय श्री रमेश कुमार भार्गव, इन्दौर
चिकित्सा निधि (2024) : राशि 2.00 लाख रुपये**

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में जन्मी एवं वहीं से शिक्षा प्राप्त करते हुए **श्रीमती सुलभा भार्गव** ने एम.ए. की डिग्री हासिल की। प्रारंभ से ही शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में रुचि रखते हुए उन्होंने विवाह के पश्चात भी अपना अध्ययन जारी रखा तथा मुंबई के एसएनडीटी विश्वविद्यालय से लाइब्रेरी साइंस में उपाधि प्राप्त की एवं महाराष्ट्र टेक्निकल बोर्ड से इंटीरियर डिजाइन एवं प्रिंटिंग में डिप्लोमा कोर्स किया। रिसर्च लाइब्रेरियन के रूप में कार्य करते हुए अनेक पुस्तकों का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद भी किया। वैवाहिक कार्यक्रमों एवं अनेक सामाजिक अवसरों पर दिखावे के रूप में फिजूल खर्चों का उन्होंने शुरू से विरोध किया है तथा ऐसे ही अनेक विषयों पर उनके आलेख भार्गव पत्रिका में प्रकाशित होते रहे हैं। अपनी शिक्षा एवं अनुभव के आधार पर 'बेसिक आफ इंटीरियर डिजाइन' पर लिखी गई उनकी पुस्तक हाल ही में प्रकाशित हुई है तथा अनेक शिक्षण संस्थानों में लोकप्रिय हो रही है।



श्री रमेश कुमार एवं श्रीमती सुलभा जी

श्रीमती सुलभा जी का विवाह चेन्नई विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियरिंग में स्नातक **श्री रमेश कुमार जी** से हुआ जो स्वयं बहुत ही होनहार एवं प्रतिभाशाली वैज्ञानिक थे। वे एटॉमिक एनर्जी संस्था मुंबई के हेवी वॉटर विभाग में कार्यरत रहते हुए। अपनी लगन मेहनत एवं कार्य कुशलता से अध्यक्ष तथा मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर आसीन हुए एवं आउटस्टैंडिंग साइंटिस्ट बन सेवा निवृत हुए। कई वर्षों तक राष्ट्रीय केमिकल एंड फर्टिलाइजर लिमिटेड, नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड, कृषक भारतीय कॉरपोरेट लिमिटेड तथा फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन आफ इंडिया के गवर्नर बोर्ड में मेंबर भी रहे।

उनके सुपुत्र मयूर एवं पुत्रवधू **श्रीमती अर्पणा (स्विट्जरलैंड)** में तथा पुत्री मुग्धा तथा दामाद डॉ. संजय भार्गव (गुड़गाँव) में कार्यरत होते हुए वहीं निवास कर रहे हैं।

प्रारंभ से ही समाज के प्रति सेवाभाव एवं अपने उत्तरदायित्व को समझते हुए इन्दौर में निवास कर रही **श्रीमती सुलभा जी** ने अपने पति की याद में समाज के जरूरतमंद कैंसर पीड़ितों के इलाज के लिए अखिल भारतीय भार्गव सभा की चिकित्सा निधि में दो लाख की राशि जमा की है।

मैं स्वयं अपनी तथा अखिल भारतीय भार्गव सभा की ओर से आभार प्रकट करता हूँ तथा उनके सुखी जीवन की कामना करता हूँ। संपर्क- **श्रीमती सुलभा भार्गव, इन्दौर, (मो.: 9009507321)**।

प्रेषक: प्रदीप कुमार भार्गव, इन्दौर, मो.: 7869081484



*Our rapidly
growing network
shows our
good will.*



Naresh Bhargava (Bhargava Lodha)

9414071694 / 9314949400

Bhargava Lodha Stock Brokers Pvt. Ltd.

(Member : National Stock Exchange of India Ltd. & NSDL)

B. Lodha Securities Ltd.

(Member : The Stock Exchange, Mumbai)

Bhargava Lodha Buildcon Pvt. Ltd.

(Real Estate Developers)

Arihant & Company

(Member : NCDEX, NMCE & NCDEX SPOT)

Sidh & Company

(Member : Multi Commodity Exchange of India Ltd.)

B. Lodha & Company

(Member : Rajasthan Builders & Promoters Association)

REGD. OFFICE

BL House, 578 – Mahaveer Nagar, Tonk Road, Jaipur – 18

Tel : 0141 – 2550711 / 2550115

CORP. OFFICE

6B, Rajabahadur Compound, 32, Ambalal Doshi Marg, Fort, Mumbai – 23

Tel : 022 – 22671585 / 22671586 Fax : 022 – 22671587

ब्रज-शांति पुरस्कार निधि (2024) - राशि 1.00 लाख रुपये
(मेधावी दिव्यांग छात्र एवं छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु)

अस्तित्व भार्गव पुत्र अमिता-दिनेश भार्गव

- **स्वर्गीय श्री ब्रज किशोर जी भार्गव:** एक कर्मठ सामाजिक व्यक्तित्व, जिन्हें जीवन भर असहाय लोगों की मदद करना एवं समाज के उत्थान के लिए कार्य करना पंसद था।
- **स्वर्गीय श्रीमती शांति देवी भार्गव:** एक कुशल मृदुभाषी सरल स्वभाव की अध्यापिका थी, जिन्होंने अपने परिवार एवं पति की सफलता में अपना पूर्ण योगदान दिया।
- **प्रपोत्र अस्तित्व भार्गव:** अपने दादा-दादी के प्रति अपने हृदय के उद्गार, प्यार और विरासत का एक जीवन, अपने दादा-दादी, जो कि सदैव हमारे दिलों में अंकित हैं, की स्मृति में यह निधि स्थापित कर रहे हैं। इस निधि से अर्जित वार्षिक ब्याज की राशि एक दिव्यांग मेधावी छात्र या छात्रा (कक्षा 9वीं से 12वीं तक) को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार के रूप में प्रतिवर्ष दी जाए।



स्व. श्री ब्रज किशोर जी - स्व. श्रीमती शांति देवी

उनके द्वारा दिया गया प्रोत्साहन मार्गदर्शन हमारे सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है।

सम्पर्क: अस्तित्व भार्गव (प्रिंसिपल इंजीनियर)

ए-803, दिशा सेंट्रल पार्क, पानाथुर-वरथुर रोड, बैंगलोर-560087

दूरभाष: 8297800235, 9131481944

विशेष उपलब्धि

भोपाल: पंडित राजकिशोर भार्गव, मध्य प्रदेश शासन के महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ संस्थान ने वर्ष 2022-2023 में 'सीनियर-फैलोशिप' (धर्म- आध्यात्मिक विषय पर शोध- परख लेखन कार्य) के फैलोशिप के लिए पंडित राजकिशोर भार्गव, भोपाल को साक्षात्कार हेतु आमन्त्रित किया था। इस साक्षात्कार में धार्मिक-साहित्य के 7 मर्मज्ञ विद्वानों के द्वारा कई प्रतिभागियों में से पं. राजकिशोर को "**ऋषियों की सनातन संस्कृति और वैज्ञानिकता**" विषय पर शोधकार्य करने की अनुमति प्रदान की।



उक्त शोधकार्य पं. राजकिशोर ने "ऋषियों की सनातन संस्कृति और वैज्ञानिकता" नामक (भारतीय ऋषियों का समग्र विवरण सहित) शोध ग्रन्थ को लिखने का कार्य पूर्णकर, संस्थान में प्रेषित किया था।

महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ के द्वारा पं. राजकिशोर भार्गव के उक्त शोधकार्य को '**सिनीयर-फैलोशिप**' के अन्तर्गत स्वीकार करते हुए फैलोशिप की राशि **4.80 लाख** रुपये प्रदान की गई हैं।

संपर्क: पं. राजकिशोर भार्गव, 3/A वल्लभ नगर, लाल घाटी, भोपाल, (मो.: 9685049401)।

प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर,



WITH BEST COMPLIMENTS FROM
DEEVA LOGISTICS PVT. LTD.
INDORE-PITHAMPUR-BHOPAL

COMPLETE LOGISTICS SOLUTION PROVIDER

**DIRECTOR: ATUL BHARGAVA
CEO: AMAN BHARGAVA**

ADDRESS:

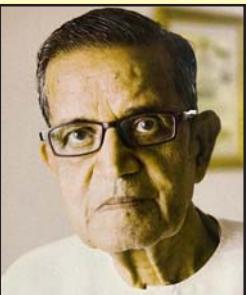
- WHB-3, New Industrial Area, AKVN,
Bagroda, Bhopal-462026
- 309, Block B, Shalimar Corporate
Centre South Tukoganj, Indore. 452001
- Plot No. - 05, Survey No-26-13, Village
Bajrangpura, Thesil-Depalpur, Indore.

+91-9301519661

ADMIN@DEEVALOGISTICS.COM

प्रोफेसर दयानंद भार्गव (1936 - 2024)

प्रोफेसर दयानंद भार्गव का जन्म फरवरी 1936 में सीता राम बाजार, दिल्ली में श्री चिरिंजी लाल भार्गव एवं श्रीमती सूरजकला भार्गव के घर हुआ। बचपन में इन्हें पूर्व जन्म का ज्ञान था, ऐसी किंवदंती मैंने सुनी है। पाँचवीं कक्षा तक की पढ़ाई इन्होंने घर पर ही इनके ताऊजी श्री लक्ष्मी नारायण भार्गव ने करवाई। कक्षा 6 में प्रवेश में इनसे महाभारत की कथा पूछी। इन्होंने 'कल्याण' में प्रकाशित पूरी महाभारत की कथा 3 घंटे में प्रिंसिपल को सुनाई। इन्हें ये कंठस्थ याद थी। जब ये 8वाँ कक्षा में थे, तो मध्यमा की परीक्षा प्राइवेट फर्स्ट क्लास से पास की, जबकि इनके अध्यापक इसमें फेल हो गए। इंटर इन्होंने विज्ञान से पास की, परन्तु ये ओवरसियर (जूनियर इंजीनियर) नहीं बनना चाहते थे, तो BA Hons इंगिलिश से पास की। MA संस्कृत दिल्ली यूनिवर्सिटी में 1956 में पास की और तभी आपने रामजस कॉलेज दिल्ली यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर और हेड ऑफ डिपार्टमेंट पद पर कार्यरत रहे। सन 1972 में आप प्रिंसिपल रणवीर केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ जम्मू के प्रिंसिपल और गंगानाथ झा इंस्टीट्यूट इलाहाबाद के प्रिंसिपल रहे, जो अब यूनिवर्सिटी है।



वर्ष 1977 में दिल्ली यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर आ गए। इन्होंने तब जैन विश्व भारती राजस्थान की स्थापना और चलाने में अपना योगदान दिया, जहाँ ये 1997 में एमिरिटस प्रोफेसर रहे। वर्ष 1978 में ये प्रोफेसर और अध्यक्ष जोधपुर रहे रिटायरमेंट तक। दो बार ये डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट्स एजूकेशन और सोशल साइंस के रहे। जोधपुर भार्गव सभा के ये बीस वर्ष अध्यक्ष रहे। इन्होंने जोधपुर टाउन हॉल में भार्गव सभा के शताब्दी वर्ष में भृगु वंश नाटक का मंचन किया, जिसके ये लेखक भी थे। इसका मंचन और गायन प्रोफेशनल कलाकारों द्वारा किया गया। आपने 25 वर्ष तक गीता, वेद, उपनिषद्, वेद विज्ञान पर राजस्थान पत्रिका के शनिवार पत्र में संपादकीय लिखा। इन्होंने जैन धर्म, हिंदू धर्म और इनके दर्शन शास्त्र पर अनेक पुस्तकें लिखी और सम्पादित की।

इन्होंने पी.एच.डी. Jain ethics पर की। इन्हें Dlitt की मानद उपाधि से दो बार सम्मानित किया। इन्हें भारत सरकार ने राष्ट्रपति पुरस्कार, राजस्थान सरकार और अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मान मिला। इनकी पत्नी स्वर्गीय लक्ष्मी भार्गव, भार्गव महिला सभा की सक्रिय सदस्य रहीं।

इनके बड़े पुत्र डॉ. वरुण, सीनियर कंसलटेंट न्यूरोसर्जन तथा पुत्रवधू डॉ. अनु डिप्टी डायरेक्टर चिकित्सक हैं। दूसरा पुत्र अनंत अमेरिका में इंजीनियर है एवं पुत्रवधू डॉ. रीना, शिशु रोग विशेषज्ञ हैं तीसरा पुत्र प्रणव इंजीनियर है और पुत्रवधू मणि एम.बी.ए. है।

इनके पोत्र पोत्री भी अपने दादा की तरह प्रतिभावान है। पौत्री डॉ. अपूर्वा, एम.बी.बी.एस. और ऑस्ट्रेलिया से पोस्टग्रेजुएट कर रॉयल मेलबर्न हॉस्पिटल, मेलबर्न हॉस्पिटल में कार्यरत है। पौत्र क्षितिज अमेरिका में कंप्यूटर इंजीनियरिंग करके अमेरिका में कंप्यूटर इंजीनियरिंग में पी.एच.डी. कर रहा है।

पौत्री अनुष्का कंप्यूटर इंजीनियरिंग में फाइनल वर्ष में है और Amazon के बाद फिलिप्प में इंटर्न है। पौत्र आदित्य अमेरिका में कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बर्कले यूनिवर्सिटी कैलिफोर्निया में 3rd ईयर छात्र है।

-: With Best Compliments From :-

- ❖ Dinesh Bhargava, Advocate
- ❖ Smt. Priti Bhargava
- ❖ Saurabh Bhargava, Advocate



SOCIAL STATUS —

- State Treasurer (Rajasthan), Bhartiya Janta Party Kisan Morcha.
- President, Alwar District Boxing Association.
- President, Aravali Artist Academy, Alwar.
- President, Deed Writer & Stamp Venders Joint Samiti, Alwar.
- Pradhan, Samaj Kalyan Samiti (A.B.B.S.) 2009-2021.
- Vice President, Akhil Bhartiya Bhargava Sabha 2013-2017, 2019-2025.
- Ex-Observer, Central Jail, Alwar by Govt. of Rajasthan.
- Ex-President, Alwar Bhargava Sabha & Dehra Utsav Samiti, Alwar.
- Ex-President, Sangeet Sankalp, Alwar.
- Ex-Convenor, Bhargava Ashram, Alwar.
- Revenue Advisor, Government of Rajasthan.
- Patron, Vriddha Seva Ashram, Alwar.
- Lifetime Member of Bhargava Dharamshala, Chakleshwar, Goverdhan Mathura.
- Member, Art & Cultural Uththan Samiti, Rajasthan.
- Member, Jai Krishna Club, Alwar.
- Member, Kaumi Ekta Sahitya Sansthan, Alwar.
- Member, Society for Protection of Union Child.
- Member, Jai Complex Vyapar Samiti, Alwar.

Residence :-

Matasya Fort & Resorts Pvt. Ltd.

Director

Dinesh Bhargava

Priti Bhargava

"SHRADDAH" Plot No. 592,
Vivek Vihar, Scheme No. 10,
Near Jain Mandir, Alwar-301001 (Raj.)
Mob.: 09414016610
e-mail: d_bhargavalw@yahoo.co.in



जातिय समाचार – आगरा

विशेष उपलब्धि

‘अमोघ भार्गव’ को सिंधिया स्कूल के १२७ वें ‘स्थापना दिवस’ के अवसर पर वर्ष २०२४-२५ के लिए सर्वश्रेष्ठ खेल-कूद छात्र (बैस्ट स्पोर्ट्स मैन) श्री महेन्द्र मिश्रा स्मृति ट्रॉफी से सम्मानित किया गया ।

‘अमोघ भार्गव’ केन्द्रीय उड़ान मंत्री ज्योतिर्आदित्य सिंधिया एवं डॉ. एस. सोमनाथ, सेकेट्री अंतरिक्ष आयोग एवं चेयरमैन ‘इसरो’ से ट्रॉफी प्राप्त करते हुए ।

श्रीमती उमा भार्गव (दादी)

पं०. शिवकुमार भार्गव ‘सुमन’ पत्रकार (दादा)

श्रीमती पूजा भार्गव (माँ)

श्री अभिनव भार्गव (पिता)

रव. श्रीमती सरला भार्गव (नानी)

रव. श्री चन्द्रकुमार भार्गव (नाना)



With the divine blessings of our parents
Late Sh. P. N. Bhargava & Smt. Rajrani Bhargava

**WE PROUDLY ANNOUNCE
THE LAUNCH OF OUR SCO PROJECT.**



LOVE FOR
Shopping NEVER ENDS


Everest Square

A UNIQUE APPROACH IN SHOPPING

EVEREST BUILDERS & DEVELOPERS

Office Address: Shop No.30, inside Everest Cinema, Jaipur road, Near Bharwas Gate, Rewari, 123401

Site Address: Sector 26, Near Eden Garden Society, Rewari, 123401

License no 105 of 2022

Anil Bhargava

Sunil Bhargava, Vijay Bhargava

Mobile No. : +91 9812061008, 9812037211, 9315409415

For Enquiry : +91 8397861008 | 8950149054

‘जय बम्बलेश्वरी कुलदेवी माँ’

भार्गव चश्मे वाले प्राइवेट लिमिटेड

(Taking care of your Vision since 45 years)

Bhargava
Chashmewale

Deshpensing your vision needs since 1982

Outlets at:-

1. Patrakar Puram Chauraha,
Aarohi Plaza, Lucknow
2. Kotwali Road, Opp. Head
Post Office, Barabanki
3. Arjun Ganj, Lucknow
4. Gomti Nagar Extension,
Lucknow
5. Kathauta Chauraha,
Chinhat, Lucknow



Bhargava Chashme Wale

UGF -28 Aarohi Plaza, Patrakarpuram, Gomti Nagar, Lucknow-226010

Residence: Villa No. L-5, Shalimar Paradise, Faizabad Road, Barabanki-225003

Mob.: 9532967879, 7459096621, 8896408683 • Email: bhargavaaditya5144@gmail.com



GRACURE PHARMACEUTICALS LTD.

251-254, 2nd Floor, DLF Tower, Shivaji Marg, Delhi- 110 015 (India).

Phone: +91-11-47770900, E-mail : info@gracure.com, Website : www.gracure.com

- EU GMP Certification (Unit-1)
- Certificate for Tablets, Capsules, Liquid Syrups
Ointment & Dry Syrups
- Believes in “Quality On Time & In Full”



With Best wishes from :



A.S. Bhargava
Mg. Director



Parag Bhargava
Director



Sheere Bhargava
Vice President

In everlasting memory of
Shri Vijai Narain Bhargava



Managing Director : Rajiv Bhargava
Director : Neeraj Bhargava
Executive Director : Sanjay Bhargava
Executive Director : Seema Bhargava

HBD Packaging Pvt. Limited

An ISO 9001 : 2015 (QMS) ; ISO 22000 : 2018 (FSMS); HACCP & FSC Certified Company

19, Udyog Kendra Industrial Area, Ecotech III, Greater Noida (U.P.) - 201 306

Tel. : +91 9810150447 • Email : info@hbdpackaging.com

Manufacturers of :

Products : Manufacturers of Folding Cartons • Litho Laminated (3 ply) Cartons • Blister Cards • 4/6 Corner Boxes Trays • Liner Cartons • Food Packaging Cartons • Rigid Boxes • Sleeves • Point of Sale Dispenser • Catch Cover Labels & Literature Sheets (Leaflets) etc. • **Capabilities :** UV & LED printing on Met-pet Sheets Texture Coating (Drip off) • Thermal, Window and Normal Film Lamination on Automatic Machines Board to Board Pasting • Flute Lamination on Automatic Machines • Offline Blanking Double Piece Carton Gluing (3ply); Window Patching • Screen Printing & Coating Effects on Automatic Machines etc.

Serving Packaging requirements for more than 40 years





राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित संस्था

कल्याण करोति



Follow us
@kalyanamkaroti

निर्माणाधीन

अंधाता निवारण की दिशा में समर्पित एक प्रकल्प

सुपर स्पेशलिटी नेत्र चिकित्सालय

गोवर्धन चौराहा से 8.5 किमी, गोवर्धन रोड, मथुरा



असहाय नेत्र रोगियों की समस्याओं के उपचार हेतु
निर्माणाधीन चिकित्सालय में अपना कृपापूर्ण सहयोग
प्रदान करने की कृपा करें।

विशेषताएँ

- मोतियाविंद, नजरों का तिरछापन, वाल नेत्र रोग इत्यादि समस्याओं के लिए चिकित्सा
- न्यूकोमा, रेटिना (आँख का पर्दा) जैसे रोगों का इलाज, नेत्र शिविरों का आयोजन
- नेत्र कैंसर, अपवर्तक (तोङर) सर्जरी, ओक्टोपोलास्टी (आँख सम्बन्धी प्लास्टिक सर्जरी) की सुविधा
- आई बैंक का संचालन
- नेत्र अनुसंधान एवं विकास केंद्र
- शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र



कल्याण करोति

कल्याण धाम

मसानी-टिल्ती मार्ग, सरस्वती कुण्ड, मथुरा (उप्र०) 281001

kalyanamkarotimathura@gmail.com
+91 9897203030, +91 9760203030

www.kkm.org.in

सदस्यता

संस्थापक सदस्य	संरक्षक सदस्य	आजीवन सदस्य	अति विशिष्ट सदस्य
1 करोड़	51 लाख	21 लाख	11 लाख
एक करोड़ का निर्माण 7 लाख	विशिष्ट सदस्य 5 लाख	साधारण सदस्य 2.5 लाख	सहयोगी सदस्य 1 लाख

आप एक वर्ष भूल के लिमान हेतु श्री अपवा मढवपूर्ण सद्योन प्रदान कर सकते हैं, जिसमें 2100 रुपये का घबराहिं का व्यव संभालित है।
(कुल निर्माणाधीन खेचकल 1.76 लाख वर्ष भूल)

बैंक विवरण

HDFC BANK

A/c Holder	Kalyanam Karoti
A/c Number	50100573815172
IFSC Code	HDFC0000268

संस्था को दिया गया दान आयकर की धारा 80जी के तहत कर मुक्त है।

FCRA NO.	136570069
80G NO.	AAATK5384MF20214
CSR NO.	CSR00008688

नव वर्ष 2025 नव संकल्पों के साथ

नव वर्ष का शुभारंभ उत्साह और आनंद के साथ शुभकामनाओं के आदान-प्रदान से होता है। प्रकाश पुंज के साथ नव-वर्ष मंगलमय हो। नव वर्ष 2025 के स्वर्णिम अवसर पर मैंने अपने उद्गारों को तीन भागों में इस प्रकार विभाजित किया है:-



श्रीमती बीणा, अलवर

- सन् 2024 की विदाई - रात 12 बजे चहल-पहल है। विवाह जैसा जश्न मनाया जा रहा है। वर्ष 2024 ने द्वार खट-खटाया... दस्तक दी... ठक-ठक-ठक-ठक... कौन है? चकित हो देखा चहु ओर - विदा हो रहा वर्ष 2024 चेतावनी दी... बीती सो विसारि दे - आगे की सुध लई।
- वर्ष 2025 का प्रवेश - आनन्द मंगल-मंगलम्, अति स्वागतम् शुभ सुस्वागतम् - पक्षियों के शोर से जाना कि भोर हो गई। गाँधी जी का प्रिय भजन कानो में गुजित हुए “उठ जाग मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ जो सोवत है।” आँखें मल, आँखों को खोला - देखा सूर्य देव उदय होते हुए लेकर यश की लाली-प्रकाश की ताम्र किरणों ने किया नव-वर्ष में प्रवेश, नव संकल्पों के साथ।
- 1) हम श्रेष्ठ संवेदनाओं के आधार पर निज स्वार्थी को विस्मृत कर व्यक्तिगत हितों की अपेक्षा सामाजिक कार्यों को एकजुट होकर करने का संकल्प करेंगे।
- 2) ‘आध्यात्मिक अनुशासन’ हेतु प्रातः उठते ही, ईश-प्रार्थना करेंगे - “कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती, करमूले तू गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम्।” अनर्थकारी विडम्बनाओं से बचते हुए तन-मन से अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करेंगे।
- 3) सकारात्मक सोच और चिन्तन को जीवन में बनाये रखते हुए आत्म संतोष, लोक-सम्मान, विनम्रता, संयम, सद्ध्वभावना, मित्रता व भ्रातत्व भाव बनाये रखने का प्रयास करेंगे।
- 4) नव-वर्ष में नई उमंग, विचार, नवाचारों तकनीकि, वैज्ञानिक, औद्योगिक विकास के साथ-साथ अपनी परम्पराओं को बनाये रखेंगे। जीविकोपार्जन शुभ-लाभ व ईमानदारीं से करेंगे।
- 5) अपने बच्चों को “क्वालीटी ऑफ टाइम” देकर संस्कारवान बनाएंगे। मोबाइल का उपयोग परिसीमित व संतुलित प्रयोग करने हेतु बच्चों को प्रेरित करेंगे। प्रेम-भाव वात्सल्य को बढ़ाकर तन-मन को दूषित न कर, वातावरण को स्वच्छ बनाये रखेंगे।
- 6) वरिष्ठजन वट-वर्ष की भाँति है। उन्हें हमारे सम्मान, सेवाओं व स्पर्श चिकित्सा की आवश्यकता है, वृद्धाश्रम की नहीं। हमें वृद्धों के अनुभवों व आशीर्वादों की महत्ती आवश्यकता है:-
“अभिवादनशीलस्य, नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयु र्विद्या यशो वलम्।”

- 7) प्रकृति हमारी महानत्तम शिक्षिका है। प्राकृतिक साधनों से स्वर्य को जोड़कर पर्यावरण को संरक्षित रखेंगे।

अंत में उक्त संकल्पों के साथ नव-वर्ष का हो स्वागत-स्नेह, शांति से परिपूर्ण हो सबकी अभिलाषा। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ नव वर्ष मंगलमय हो।

— बीणा भार्गव, स्कीम नं. 8, गाँधी नगर, अलवर, मो.: 6378352167

कुलदेवी दर्शन यात्रा

मंगौड़ी कुलदेवी माता (मंगलौर)

मैं श्रीमती ममता भार्गव अपने पति श्री सुनील भार्गव CA (जयपुर) के साथ 15-12-2024 को अनेक भार्गव परिवारों की कुलदेवी मंगौड़ी कुलदेवी माता (मंगलौर) के दर्शन करने गईं। इस मंदिर का नाम मंगला देवी मंदिर है। शिक्षाविद् कपिल भाई साहब (अलवर) से जानकारी मिली कि यह मंगला देवी माता भार्गव परिवारों की मंगौड़ी कुलदेवी माता हैं, देश भर में इसके कुछ ही मंदिर हैं। श्रीमती ममता भार्गव, धर्मपत्नी श्री सुनील भार्गव CA (जयपुर), उनका आभार और धन्यवाद व्यक्त करते हैं।



प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर

सनमत कुलदेवी माता (प्रयागराज)



हमारी कुलदेवी सनमत माता है। शिक्षाविद् कपिल भाई साहब (अलवर) से जानकारी प्राप्त हुई कि भार्गव समाज की सनमत कुलदेवी माता ललिता माता का रूप ही है। अतः मैं अर्पित भार्गव, अपनी माता श्रीमती सुदेश भार्गव के साथ 30-11-2024 को प्रयागराज में ललिता माता रानी के दर्शन करने गये। कपिल भाई साहब को बहुत-बहुत धन्यवाद।

पता: अर्पित भार्गव - A 1/102 भृगु अपार्टमेंट, मानसरोवर, जयपुर, (मो.: 9024620490)। प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर

ईट कुलदेवी माता, बूढ़ादीत (कोटा)

मैं डॉ. वरुण भार्गव और मेरी पत्नी डॉ. अनु भार्गव (दिल्ली), 11-11-2024 को हमारी कुलदेवी माता के दर्शन करने गए। जैसा आदरणीय कपिल भार्गव (अलवर) ने बताया इस कुलदेवी माता का देश भर में यह एक ही मंदिर है। मीना समाज की भी यह कुलदेवी है। डॉ. वरुण भार्गव - डॉ. अनु भार्गव (दिल्ली)।

प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर



अंचल कुलदेवी माता (जौनपुर)

24-12-2024 को कुलदेवी माँ अचला के दरबार में उपस्थित होकर माता के श्री चरणों में सादर वंदन करते हुए पूजन अर्चन किया। इस कुलदेवी दर्शन यात्रा में संजय-सरिता, पंकज-बबीता (जयपुर), श्री प्रभात जी-श्रीमती सविता जी (सिरांज) से हमारे साथ उपस्थित रहे। इसी दौरान पुजारी श्री बंगाली बाबा से भेंट कर माता रानी की प्रतिमा पर पीतल का कवच धारण करने की चर्चा कर कार्य करने की जिम्मेदारीं लेते हुए उन्हें कारीगर से संपर्क कर हमे अवगत कराने के लिए कहा गया। जैसा भी पुजारी जी का निर्देश प्राप्त होगा हम ये शुभ कार्य करने का प्रयास करेंगे। जय अंचल कुलदेवी माता रानी। अमित-पारूल भार्गव, गवालियर, (मो.: 9584786834)।

प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर

भार्गव पत्रिका]

(38)

[दिसम्बर, 2024

Love your Bones — Protect your future

Understanding Osteoporosis

Osteoporosis is a silent thief, characterized by low bone mass and micro-architectural deterioration of bone tissue, leading to enhanced bone fragility and a consequent increase in fracture risk. There is an imbalance between bone resorption and bone formation. It is common in both male and female gender. The risk factors includes non-modifiable factors like advanced age, menopause, European and Asian race, heredity and small stature and modifiable factors which include low Calcium diet, excess consumption of alcohol, Vitamin D deficiency, tobacco smoking, malnutrition, underweight / Inactive, Soft drinks with phosphoric acid, Medicines - like proton pump inhibitor, steroids, anticoagulants, barbiturates, phenytoin, thiazolidinediones and certain medical conditions including Malnutrition, Malabsorption, immobilization, Hypogonadal states, Endocrine disorders (Cushing's syndrome, Hyperparathyroidism, Hyperthyroidism, hypothyroidism, diabetes mellitus Type 1 & 2, Vitamin deficiencies, Rheumatological disorders, Hematological disorders and inherited disorders.

Osteoporosis can be diagnosed by conventional radiography (X-Ray) and measuring bone mineral density (BMD). Osteoporosis may lead to easy fractures of hip, vertebrae, wrist and ribs.

Prevention is the best step towards this disturbing problem, which starts right from age of adolescence and includes good healthy diet rich in vitamins, calcium and proteins, resistive exercise, climbing stairs, running, brisk walking, swimming and sunbath (exposure to sun for atleast 30 min everyday in form of outdoor activities). These steps taken at earlier age can prevent osteoporosis in old age. Other important preventive steps, includes lifestyle changes, tobacco smoking cessation, moderation of alcohol intake and fall prevention. Treatment includes lifestyle modifications, dietary supplementations, Medications like Bisphosphonates (Risedronate, etidronate, Alendronate), Teriparatide (recombinant parathyroid hormone), Raloxifene.

As it is said, Osteoporosis is not an inevitable part of ageing; it is preventable. So it is vital that all of us, at all ages, start taking care of our bones now, before it is too late.

—Dr. Pradip Bhargava, Orthopaedic Surgeon, Indore

श्री विनोद भार्गव, जयपुर - एक संक्षिप्त परिचय

शांत सौम्य छवि वाले साथ ही सेवा भाव एवं समाज के प्रति समर्पण के पर्याय माने जाने वाले श्री विनोद भार्गव का जन्म 04-11-1957 को जयपुर में स्व. श्री केशव चन्द भार्गव एवं माताजी श्रीमती प्रेमलता भार्गव जी के यहाँ हुआ। आपने B.Com. की शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 1981 में मनोहर ऑप्टिशियन के showroom की स्थापना राजा पार्क जयपुर में की, जिसके आज 43 वर्ष पूर्ण हो चूके हैं।



आप भार्गव समाज में पिछले 41 वर्ष से जुड़े हुए हैं। आपने सबसे पहले भार्गव युवा संघ के साथ शुरुवात की थी। आपने भार्गव युवा संघ के सभी पदों पर रहते हुए सन् 1999 से 2005 तक सचिव पद पर रहते हुए कार्य किये। आपने भार्गव युवा संघ का रजत जयंती समारोह मनाया और इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन भी किया। हर वर्ष भार्गव युवा संघ द्वारा पिकनिक आयोजित की जाती रही है, उसमें टिकट वितरण में भी अपना पूरा सहयोग देते रहे हैं, इसके साथ ही भार्गव युवा संघ द्वारा रक्तदान शिविर का भी अयोजन किया जाता रहा है, उसमें भी अपना पूर्ण योगदान दिया जाता रहा है।

वर्ष 1990 में आपने सदस्य कार्यकारिणी के रूप में जयपुर भार्गव सभा में प्रवेश किया, लगभग सभी पदों पर रहकर कार्य करते हुये सन् 2006 से 2011 तक सचिव पद का कार्यभार संभाला, इस पद पर रहते हुए आपने भार्गव परिवार के सदस्यों की पॉकेट डायरेक्ट्री व जयपुर के भार्गव परिवार की डायरेक्ट्री का प्रकाशन किया। सन् 2019 से 2023 तक जयपुर भार्गव सभा के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। अखिल भारतीय भार्गव सभा में जयपुर को सर्वश्रेष्ठ सभा का पुरस्कार दिलवाने में अहम योगदान रहा। इस वर्ष जयपुर भार्गव सभा द्वारा 2024 में भार्गव श्री एवं भार्गव भूषण से सम्मानित किया गया।

वर्ष 1999 से महर्षि भृगु सदन उपसमिति से जुड़े रहते हुए 2013 से 2019 तक भृगु सदन के व्यस्थापक के रूप में कार्य किया गया। आपने अपने अध्यक्ष के कार्यकाल में भृगु सदन में सोलर पैनल्स एवं औटोमेटिक लिफ्ट लगाने में अपना योगदान दिया।

इसी क्रम में वर्ष 2001 से अखिल भारतीय भार्गव सभा की महत्वपूर्ण समितियों में भी आप सदस्य रह चुके हैं। अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) का वार्षिक अधिवेशन 2011, 2014, 2015 में आपको भार्गव पत्रिका के धरोहर राशि सदस्य बनाने पर 3 बार भार्गव पत्रिका पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

इसके साथ ही लायन्स क्लब इंटरनेशनल में सन् 1998 से जुड़े रहते हुये, मानव सेवा के लिए कार्य भी कर रहे हैं। इस वर्ष लायन्स क्लब इंटरनेशनल द्वारा प्रातंपाल लायन ओम प्रकाश गण्डड जी द्वारा अपनी सेवाएँ प्रदान करने के लिये सम्मान-पत्र से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में लायन्स क्लब इंटरनेशनल President Dr. Patti Hill द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

इस समय आप जवाहर नगर ब्राह्मण महासभा के महामंत्री पद पर रहते हुये कार्यभार संभाल रहे हैं।

— विनोद भार्गव, 7-झ-19, जवाहर नगर, जयपुर, मो.: 9414311438

एक प्रेरणादायक व्यक्ति

अतीत की गलियों से चलकर, जहाँ प्रत्येक ईंट में इतिहास समाया है, वहाँ से निकलती है एक यात्रा, एक विरासत की, जिसने देश को नई दिशा दी। कहानी है एक ऐसे शख्स की, जिसने न सिर्फ इंजीनियरिंग की दुनिया में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि अपने सामाजिक कार्यों से भारत के नायक के रूप में उभरे। ये हैं अशोक कुमार भार्गव।

एक परिवार, जो कागज के पन्नों से लेकर स्वतंत्रता की लडाई तक, हर क्षेत्र में अग्रणी रहा। अशोक की जड़ें उसी प्रतिष्ठित परंपरा से जुड़ी हैं।



मद्रास में अभियांत्रिकी और व्यवसाय प्रबंधन में उच्च शिक्षा ग्रहण कर, अशोक ने अपनी बुद्धिमत्ता और ज्ञान को नए आविष्कारों की ओर मोड़ा।

एक साधारण परिवार से उठकर विज्ञान और तकनीक की उच्च शिखरों तक पहुँचने वाले अशोक ने समाज की उन चुनौतियों को अपना लक्ष्य बनाया, जिनसे हर आम आदमी जूझ रहा था।

अशोक जी का सबसे बड़ा योगदान रहा है – स्वास्थ्य क्षेत्र में। जेनेरिक दवाइयों के प्रसार से लेकर पोलियो के उन्मूलन तक, उनके प्रयासों ने लाखों जीवनों को छू लिया। उनका संघर्ष रहा है जेनेरिक दवाओं के प्रचार का, ताकि हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी सामाजिक या आर्थिक स्तर का क्यों न हो, उसे बीमारी की स्थिति में उचित और सस्ता उपचार मिल सके।

समाज सेवा में उनकी गहरी रुचि ने उन्हें जूनियर चैंबर और रोटरी क्लब तक पहुँचाया, जहाँ उन्होंने अपने कार्यों से समाज के उत्थान की एक नई राह निर्मित की।

अशोक जी ने पोलियो के खिलाफ जंग में ऐसा अभियान चलाया जिसने भारत को पोलियो मुक्त बनाने की दिशा में अग्रसर किया। उनकी पहल से सरकार ने दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण कर, स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी।

अशोक भार्गव, जो एक इंजीनियर के रूप में शुरू हुए, आज एक जाने-माने समाजसेवी, उद्यमी, और एक राष्ट्रीय नायक के रूप में प्रतिष्ठित हैं। जिनका जीवन हमें यह सिखाता है कि दृढ़ संकल्प और सच्ची लगन से कोई भी चुनौती पराजित की जा सकती है। एक अशोक कुमार भार्गव, जिन्होंने अपनी मेहनत और समर्पण से न सिर्फ अपना, बल्कि अपने देश का नाम रोशन किया।

जब हम उन लोगों से सुनते हैं जिनकी जिंदगियों को अशोक जी ने छुआ है, तब हम समझते हैं कि उनकी विरासत कितनी गहरी है। वह एक योद्धा हैं, जो ना सिर्फ अपने काम से बल्कि अपने उदाहरण से हमें प्रेरित करते हैं।

उनकी यात्रा यहीं नहीं रुकती। वे आज भी अपनी क्रांतिकारी सोच और नवाचारों के साथ समाज के लिए नए आयाम तय कर रहे हैं और यह सिलसिला यूँ ही चलता रहेगा, क्योंकि अशोक कुमार भार्गव का मानना है कि ‘जब तक समाज की सेवा की जा सकती है, तब तक संघर्ष जारी रहना चाहिए।’ उनके सपनों की उड़ान अभी बाकी है, उनकी उम्मीदों का आसमान अभी विस्तृत है।

...और इस प्रेरणादायक यात्रा का समापन यहीं नहीं, यह तो एक नए आरंभ का संकेत है। अशोक कुमार भार्गव की कहानी, जो हमें सिखाती है कि सामाजिक परिवर्तन के लिए किसी एक व्यक्ति की सजग प्रतिबद्धता कितनी महत्वपूर्ण हो सकती है।

कई पीढ़ियों की प्रेरणा, अशोक कुमार भार्गव की विरासत, नई उम्मीदों का दीप जलाए रखेगी। उनकी कहानी बताती है कि जब सेवा और समर्पण मिल जाते हैं, तो साधारण भी असाधारण बन जाता है।

प्रेषक - अशोक कुमार भार्गव, लखनऊ

जातीय समाचार

समाचारों के साथ परिवार के मुखिया एवं भेजने वाले का नाम, पता, मोबाइल नंबर भी भेजें। उत्तम हो, समाचार एवं सम्बन्धित फोटो ईमेल abbsbhargavapatrika@gmail.com पर भेजें। - सम्पादक

विवाह

प्रयागराज/जयपुर: चि. अंकुर सुपुत्र श्रीमती शैल-श्री राजकुमार भार्गव (प्रयागराज) एवं सौ. तनु सुपुत्री श्रीमती कंचन-स्व. श्री गिरीश भार्गव (जयपुर) का शुभ विवाह 22-11-2024 को प्रयागराज में संपन्न हुआ।



इस अवसर पर ईस्ट मित्रों व संबंधियों ने वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया तथा श्री राजकुमार जी ने 1100/- रुपये प्रयागराज भार्गव सभा को भेट किये। संपर्क-राजकुमार भार्गव, हिमतगंज, प्रयागराज, (मो.: 9451053884)।

प्रेषक: गौरव भार्गव (मो.: 7844900167)।

•

Lucknow: Lav Bhargava, the great great grandson of Munshi Nawal Kishore Bhargava had a cover launch of his recently written memoirs 'A life less extraordinary' at the Akhil Bharatiya Bhargava Sabha convention in Lucknow on the 21st of December 2024. In his memoirs Lav has made a special mention of Munshi Nawal Kishore having founded the All India Bhargava Sabha which is thriving and flourishing even to this day. The book is a must read says the President of the editors guild of India and is highly recommended by one of the most reputed english writers of the country. It will be available in the book stores and on Amazon by the third week of January 2025.

— Kapil Bhargava, Alwar



दिल्ली: डॉ. अपूर्वा भार्गव, सुपुत्री डॉ. वरुण-डॉ. अनु भार्गव, एम.बी.बी.एस. ने Deakin University मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया से जून 2024 में Master in Public Health में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री सर्वाधिक अंकों से प्राप्त की। वर्तमान में वह रॉयल मेलबर्न हॉस्पिटल, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न, मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में प्रोजेक्ट रिसर्च ऑफिसर के पद पर चयन होने पर, कार्यरत है। संपर्क-डॉ. वरुण भार्गव, 66 सहयोग अपार्टमेंट, मयूर विहार, दिल्ली, (मो.: 9650545355)।



प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर



मथुरा: बार एसोसिएशन मथुरा के अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार शर्मा ने मथुरा के वरिष्ठ एडवोकेट श्री ऋषि कुमार भार्गव को सत्र 2024-25 के लिये एसोसिएशन के लिये वरिष्ठ सलाहकार समिति में मनोनीत किया है। श्री ऋषि कुमार भार्गव पिछले कई सत्र से मथुरा भार्गव सभा के संरक्षक भी हैं। मथुरा भार्गव सभा ने उनको उनके इस मनोनयन पर बहुत बधाई और शुभकानाएँ दी हैं। संपर्क: श्री ऋषि कुमार भार्गव (मो.: 9412626932)।
प्रेषक: श्याम विहारी भार्गव, अध्यक्ष-मथुरा भार्गव सभा (मो.: 9411967141, 7017611689)।

•

जोधपुर: श्रीमती धीरज भार्गव, सुपुत्री स्व. श्रीमती संतोष भार्गव और श्री रमा शंकर भार्गव जोधपुर को



11-12-2024 को होटल क्लार्क आमेर जयपुर के भव्य कार्यक्रम में आपकी कर्तव्य निष्ठ और

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए स्वामी विवेकानन्द नेशनल प्रिंसिपल अवार्ड से सम्मानित किया गया। धीरज जी वर्तमान में एम.एस. कवर इंटरनेशनल स्कूल पाली में प्रधानाचार्य के पदपर कार्यरत हैं।

प्रेषक: वेद प्रकाश भार्गव, प्रधान-जोधपुर भार्गव सभा (मो.: 6376733676)।

भोपाल: Indian Green Building Council (भारतीय हरित भवन परिषद) के तत्वावधान में 14 नवम्बर, 2024 को बैंगलोर में हुई अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में इंजी. विभव भार्गव को इंडियन ऑयल कॉपोरेशन



लिमिटेड के कोयंबटूर डिविजन ऑफिस बिल्डिंग को ग्रीन बिल्डिंग कार्डिसिल के मानकों के अनुसार प्रमाणित करवाने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। श्री विभव भोपाल निवासी इंजी. कपिल भार्गव और डॉ. शुभा भार्गव के पुत्र हैं एवं इंडियन ऑयल कॉपोरेशन के कोयंबटूर डिविजन में कार्यरत हैं। म.नं. 88, श्यामा पल्ली कॉलोनी, अवधपुरी खजूरी कलां, भोपाल-462022 (मो.: 9425804885)।

प्रेषक: शिक्षाविद् कपिल भार्गव (अलवर)।

निधन

अजमेर: श्रीमती कुसुम, धर्मपत्नी स्व. श्री रामा जी निवासी प्रभु भवन, हाथी भाटा, कचहरी रोड, अजमेर का आकस्मिक निधन दिनांक 05-12-2024 को हो गया है। अजमेर भार्गव सभा संस्था एवं अजमेर भार्गव बन्धुओं का दिवंगत आत्मा को नमन।

प्रेषक: श्री अत्रि भार्गव, सचिव-अजमेर भार्गव सभा

जयपुर: श्रीमती प्रकाश, धर्मपत्नी श्री मथुरा प्रसाद, निवास 4/182, जवाहर नगर, जयपुर का निधन दिनांक 20-11-2024 को हो गया है। शोक संतप्त: श्री मथुरा प्रसाद (पति), मिनाक्षी (बहु), सुधीर-अलका, दीपक-रेखा, संजय-निशा, सीमा (बेटी-दामाद), तन्मय (पोता) (मो.: 9694872763)।



मथुरा: श्री विजय नाथ, निवास भार्गव गली, घीया मंडी का निधन दिनांक 20-11-2024 को हो गया है। निवेदक: अजय भार्गव व अनिता भार्गव (भाई), पूनम व पिन्की (भतीजी), सागर व शुभम भार्गव (दोहेता), शशी भार्गव (पत्नी), राखी भार्गव (पुत्री), रजत भार्गव (पुत्र), महेश भार्गव (दामाद)।



मथुरा: श्री दीपक भार्गव पुत्र स्व. श्री महावीर प्रसाद मथुरा, जी-16 श्री नाथ अपार्टमेंट, गणेशरा रोड का आकस्मिक निधन दिनांक 02 सितम्बर, 2024 को हो गया



है। मथुरा भार्गव सभा उनके इस आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख प्रकट करती है और परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करती है कि वह दिवंगत को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं उनके परिवार को इस महान दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। शोकाकुल: कु. निशि भार्गव (मो.: 9758645749, बहन), श्रीमती नीता भार्गव एवं श्री विजय भार्गव (मो.: 9414229360), श्रीमती नीलम भार्गव एवं श्री दीपक भार्गव (मो.: 7976792455), श्रीमती साधना भार्गव एवं श्री अखिल भार्गव (मो.: 9414661641, बहन-बहनोई)।

उक्त दोनों समाचारों के प्रेषक श्याम बिहारी भार्गव, अध्यक्ष-मथुरा भार्गव सभा (मो.: 9411967141, 7017611689)।



मेरठ: वरिष्ठ सदस्य श्री द्वारिका नाथ टैगोर का स्वर्गवास दिनांक 5-12-2024 को हो गया है। वरिष्ठ सदस्य संघ के आकस्मिक निधन पर हार्दिक शोक प्रकट करते हैं एवं प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शोकाकुल परिवार: पवन पुत्र वधू (पुत्र-पुत्र वधू), मनोज-पुनिता (दामाद-बेटी), जुगनू-पारुल (दामाद-बेटी), आशानी-प्रवीर (पौत्री-पौत्र), विभु-भावेश (नातिन-नाति), मैगजीन आईस फैक्ट्री, नौचंदी मैदान, मेरठ (दूरभाष: 9412203596, 9690403538)।
प्रेषक: श्री सुधीर भार्गव, अध्यक्ष-मेरठ भार्गव सभा



ईर्ष्या - जीवन का अभिशाप

मनष्य अपने पूरे जीवन में बहुत कुछ पाना चाहता है जैसे धन, पद, संतान, यश आदि। इसको हम इस प्रकार भी कह सकते हैं कि जीवन कामनाओं का पर्याय है। कामनाएँ मनुष्य जीवन में निरंतर पैदा होती रहती हैं जैसे सागर में लहरें। इन कामनाओं की पूर्ति के लिये मनुष्य के जीवन में एक नई शक्ति का संचार होता है। आज की जीवन शैली को देखें तो कोई भी आदमी संतुष्ट दिखाई नहीं देता, जिसके पास जो है वह उसे कम ही नजर आता है। उसे और चाहिए, चाहे उसकी क्षमता हो या ना हो। इसके लिये वो सारी मर्यादाओं को तोड़ने में भी नहीं झिझकता है। जीवन में तृष्णा के साथ साथ ईर्ष्या का भी अंकुर फूटने लगता है। एक दसरे से आगे निकलना या बड़े होने का भाव, स्पर्धा हुआ और यह सोचना कि ये मेरे से आगे क्यूँ और कैसे निकल गया। मुझे किसी भी हाल में उसे आगे नहीं निकलने देना है। इसे ही प्रतिस्पर्धा या ईर्ष्या कहते हैं। स्वयं के आगे बढ़ने के लिये दूसरे का हास और अहित आसुरी वृति कहलाती है और एक दुर्गण है। मनष्य अपने आपको सर्वशक्तिमान मानकर दूसरे के भाग्य को बदलना चाहता है। ऐसा करने से उसका बहुत सा समय और शक्ति दूसरे की प्रगति को रोकने में ही खर्च हो जाती है, जिससे उसके स्वयं के विकास पर विपरीत असर पड़ता है।

ईर्ष्या जीवन का अभिशाप है। ईर्ष्यालु व्यक्ति जीवन में कभी सुखी नहीं रह सकता। उसके मन की शांति समाप्त हो जाती है। हिंदू मैथोलौजी के अनुसार मनुष्य जीवन में जो भी कुछ पाता है वो अपने पूर्व जन्म के कर्मों के अनुसार पाता है लेकिन ईर्ष्या उसकी इसी जन्म की प्राप्ति होती है, जो मनुष्य को भ्रमित कर देती है, जिससे उसकी नींद, खाना-पीना और चैन सब खो जाता है।

ईर्ष्या के भाव पैदा न हो, इसके लिये मन में यही सोचना है कि इस संसार में परमपिता परमेश्वर हर मनष्य को उसके भाग्य के हिसाब से सब कुछ देता है जिसे पाने में कोई भी रुकावट नहीं डाल सकता और भाग्य से ज्यादा या कम उसे मिलेगा नहीं। जब हम किसी का भाग्य बदल सकने की शक्ति नहीं रखते तो दसूरा क्या पा रहा है इससे ईर्ष्या करना बेकार है।

— मथुरा प्रसाद भार्गव, जयपुर, मो. 9414445571

With Best Compliments From

M/s. AMMONIA MARKETING Co.

Suppliers of Ammonia Gas and Liquor Ammonia

No.125, 3rd Phase, Peenya Industrial Area,
BANGALORE - 560 058

Tel. : (O) (080) 28392156 • 28397411

Fax : (080) 28394402

E-mail : amcobgl@gmail.com



M/s. VIJAY CORPORATION

Suppliers of Ammonia Gas and Liquor Ammonia

Opp. Mavoo Mill, NH 47, Navakkari Post,
COIMBATORE - 641 105

Tel. : (0422) 2656284 • 2656812 • 3105721

Fax : (0422) 2856284

E-mail : ammoniavjy@sify.com



Managed by

SHRI SOHAN BHARGAVA, Bangalore

Tel. : (Res.) (080) 23342046, 23349806 • (M) 09845012071

With Best Compliments From

AMMONIA SUPPLY COMPANY

**Unit No. 1073, Plaza I, Manohar Lal Khurana Marg,
DCM Complex, Bara Hindu Rao, Delhi - 110006**

Tel. : (Off.) 23552048, 23623802, 23631941, 49070252

E-mail : jitin@ascoindia.org

(Res.): 23970203, 23953020

Mobile : 09312401850 • 09350163975

Suppliers of :

ANHYDROUS AMMONIA - LIQUOR AMMONIA

In any quantity - anywhere in India

Associates :

1. Asco Engineering Company
2. Asco Industrial Corporation
(Prop. Ammonia Supplies Corporation Pvt. Ltd., New Delhi)
3. Ammonia Marketing Co., Ghaziabad
4. Ammonia Supply Co., Mumbai
5. Ammonia Marketing Co., Bangalore
6. Vijay Corporation, Coimbatore



FOUNDER

Dr. MURARI LAL BHARGAVA

(17-04-1922 — 29-01-1999)

With Best Compliments From:



Rakesh Bhargava



Abhishek Bhargava

ANUPAM CATERERS

Office : Shop No. 18, Sector - 3 (RHB) Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur

Residence : 32/511, Sector - 3, Near Central School,

Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur

Mob.: 9414079994, 9829057205, 9672994949 • Ph.: 0141-2792449

E-mail : rakeshbhargavadeys@gmail.com

Abhishek Bhargava

Lifecare Pharmacy

For all your prescription you need

What we offer :

- No long waits
- We beat all competitor prices
- One shop for all prescription needs
- Free home delivery
- Attractive discounts on medicines
- Surgical equipments are also available.



52/154, Pratap Nagar, Behind Axis Bank, Sector-5, Sanganer, Jaipur

M.: +91-96729-94949, +91-94140-79994

"IN THE EVER LASTING AND SWEET MEMORIES OF OUR PARENTS"



Late Pt. Prem Kishore ji - Smt. Chandrakanta Bhargava

(21.9.1930-16.04.1976) (16.07.1932-16.3.2011)

Messrs Brij kishore Bhargava

(Mine Owners & Minerals Suppliers)

Chemical Commercial Corporation

(Processors & suppliers of minerals & its Products)

Raja Bhargava Lime & Chemicals

(Mfg. of High Grade Quick lime & Hydrated lime)

Shree Bhargava Minerals & Chemicals

(Mfg .of Calcium Hydroxide, Wall Care Putty & Building Products)

(AN ISO 9001:2008 CERTIFIED COMPANY)

With Best Wishes & Compliments From -

Ku. Meera Bhargava – (Social Activist)

Mr. Brij Kishore & Mrs. Mamta Bhargava

Mr. Arvind & Dr. (Mrs.) Anupama Bhargava

Er. Anand & Mrs. Priya Bhargava

Dr. Jitendra & Mrs. Maya Bhargava

Priyank, Dr. Apoorva, Dr. Ananya, Devank, Surabhi & Shriyank

Website: www.bhargavaminerals.com, www.bhargavachemicals.com

Bhargava House, Bhargava Lane, Nai Basti, Katni (M.P) - 483501

Office : 07622-220645, 405645 Res : 07622-220122 • E-mail: bhargavaminerals@gmail.com

Mobile : +91-9425154366, +91-9425157452, +91-9424308775

In the Ever Loving Memory of



Smt. Santosh Bhargava
(12.01.1942 to 30.01.2012)

D/o Late Shri B.D. Bhargava & Smt. Kameshwari "KAMA"
OF CHANDAUSI
W/o Shri Triloki Nath Bhargava



KAMA DIAGNOSTICS

(Ultrasound and Cancer clinic)
(Dr. Amit & Dr. Nidhi Bhargava)

VPS 16-17, Shipra Krishna Vista Plaza, Indirapuram, GHAZIABAD.
Phone: +91-9811065538 • +91-9313068008

Email: amitbharga@gmail.com • nidhibhargava72@gmail.com



KAMA ENGINEERING WORKS

*(Manufacturers of Precision Sheet Metal
Press Components and Tools)*

Office: Cottage # 24, Shipra Sun City, Indirapuram, Ghaziabad (U.P.)

Works: C-64, Sector-VIII, Noida (U.P.) • Phone: 0120-4337821
Mob.: +91-9810033074 • +91-9871709690 • +91-9350805787

Email: anuj.anujbhargava@gmail.com
(Mr. Triloki Nath / Mr. Anuj Bhargava)

*With
Best Compliments
from:*

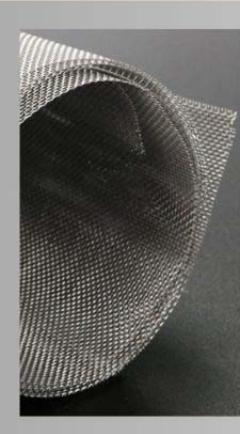
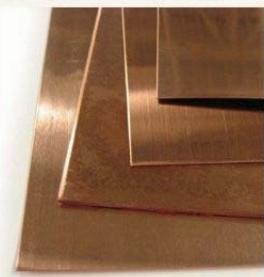


EVEREST METALS

MANUFACTURERS & EXPORTER OF
Industrial Brass, Copper Sheets & Circles
All Kinds of Quality Brass & Copper Utensils.

JHAJJAR ROAD, REWARI - 123401 (HRY.) IND
EVERESTMETALS123@REDIFFMAIL.COM

AVAILABLE ON
amazon



Pansy Industries

MANUFACTURERS & EXPORTER OF:
COPPER/BRASS/STAINLESS STEEL CENTRIFUGAL
LINERS, BRASS CUSH STAINERS, SUPPORTING
LINER, STAINLESS STEEL SCREEN FOR OLIVER & KCP
FILTERS, NICKEL SCREEN AND ALL KIND OF PERFORATED
SHEETS & WIRE NETTINGS

ADD-39, SECTOR-11, REWARI INDUSTRIAL AREA
REWARI-123401(HRY) INDIA

pansyindustries@gmail.com

ANIL BHARGAVA SUNIL BHARGAVA VIJAY BHARGAVA ANKESH BHARGAVA MAYUR BHARGAVA
9812061008 9812037211 9315409415 8397861008 8950149054

With Best Compliments from
KARRAT CHEMICALS (INDIA) PVT. LTD.

(ISO 9001 : 2015)

PLOT No. N-211/2/7, MIDC, TARAPUR, BOISAR-401506 (Maharashtra)
Tel. No.: 8007645500, 8983024326 • E-mail : karratchemicals@hotmail.com

Suppliers of : Ammonia Gas & Liquor Ammonia

OUR SISTER CONCERN(S) :

ANKLESHWAR AMMONIA SUPPLY PVT. LTD.

PLOT NO. 6508, GIDC Indl. Estate, ANKLESHWAR-393002


ANITA TRANSPORT COMPANY


ATHARVA CHARITABLE TRUST


BHARGAVA TRADING COMPANY


DCA FINE CHEM PVT. LTD.

(MONO & DI SODIUM POTASSIUM PHOSPHATE)

KARRAT MULTIGASES & CHEMICALS PVT. LTD.



KARRAT FINE CHEM (I) PVT. LTD.



KARRAT INVESTMENTS & TRADING CO.



KARRAT INFRA LLP



KIDZONE PRE-SCHOOL



VIKAS INDUSTRIES AND CHEMICALS PVT. LTD.
(MFG. BULK DRUGS & INTERMIDIES)

Late Shri Anil Bhargava Aditya Bhargava Anita Bhargava Dr. Keerti Bhargava
Director Director Director Director
(M) 8007112000 (M) 8390529922 (M) 8007065450

In the loving memory of
Smt. Veerbala Bhargava



You still live in the silences between our thoughts

- **Shri Naresh Chand Bhargava** *Husband*
- **Munish & Punam Bhargava** *Son & Daughter-in-Law*
- **Uttkarsh & Eesha** *Grand Son & Daughter-in-Law*
- **Iksha Bhargava** *Grand Daughter*



With Best Compliments from:

INDUSTRIAL SALES

109/19, Model House, Lucknow



Veerbala Sales

Saubhagyam,

109/19, Model House, Lucknow

Phone No.: 9415408767,

9415343706, 7275777477



On the occasion of 100th Birth Year and In The Ever Loving Memory of



Shri Prahlad Dutt Bhargava, Jodhpur
(01-03-1923 — 03-11-2008)

-: Always Loved and Never Forgotten by :-
Smt. Kusum Bhargava (Wife)

Pramod Bhargava & Shobha Bhargava, Jodhpur (Son & daughter-in-law)

Nipun Bhargava & Somiya Bhargava, Australia
Tushar Bhargava & Ekta Bhargava, Australia
(Grand son & Grand daughter-in-law)

Yug, Aadi (Great Grand son), **Aadhya** (Great Grand daughter)

Keeping Your memories alive forever

With Best Compliments from:

- Protech Consultancy Pty Ltd (Australia)
- Northwest Pty Ltd (Australia)
- Bentley College Pty Ltd (Australia)
- GWAY Investments Pty Ltd (Australia)
- Britts College Pty Ltd (Australia)
- Protech Associates Pty Ltd (Australia)
- Datum College Pty Ltd (Australia)
- Penfold College Pty Ltd (Australia)
- GW Real Properties Pty Ltd (Australia)
- Britts Imperial University College (UAE)

Owned and Managed by: Nipun Bhargava (Director)

Ph: +61 (3) 8380 0453, +61 430 777 838, +61 478 746 000

Email: nipun@protechconsultancy.com

Supported By: Tushar Bhargava (Chief Executive Officer)

Ph: +61 (3) 8380 0453, +61 434 424 456 • Email: tushar@nortwest.edu.au

Physical Address:

Level 10, 190 Queen Street Melbourne VIC 3000 Australia

Level 2, 531 George Street, Sydney NSW 2000 Australia

Level 2, 66-68 Grenfell Street, Adelaide SA 5000 Australia

With Best Compliments From



PREMIER PAPER PACKAGING PVT. LTD.

One Step Solution For All Your Printing Needs.

DIRECTORS

Sanjeev Bhargava

Anuranjan Bhargava



Manufacture and Supply of Paper Board Packaging (Printed Blister Cards, Mono Carton, Liner Carton, Leaflets, Manuals And Corrugated Boxes) And Designing

Our Vision

The company takes pride in understanding its customer exact requirements for blister card design, printing products by understanding their production process and design needs in order to supply. The right product for the right application to support their overall productivity as per application and perfection in quality with time bound delivery in a cost effective manner. We believe in doing team work to convert a Customer into a happy customer.

PREMIER PAPER PACKAGING PVT. LTD. has been in the printing field for over 26 years, and we have earned the loyalty of some of the top Corporate houses in India with our Quality, Timeliness & Customer-Service. We see our selves as a part of our customer's team and add value in various capacities.

The scope of activities covered by this certificate defined below



I-42,43, Kasna Village, Surajpur Industrial Area Site-V, Greater Noida (U.P.)

Pin Code : 201306 Mob: +91 9910097768, 8588867496, 9891917769

E-mail : sanjeevpremier@gmail.com Website : www.premierpaperpackaging.com



With Best Compliments from :

Dr. Mahesh Bhargava | **Mrs. Rajni Bhargava**
Dr. Vivek Bhargava | **Dr. Rajshree Bhargava**



SAMADHAN KENDRA

(Psychological Assessment & Counselling Centre)

An ISO 9001:2008 Certified

A CENTRE FOR
MENTAL, PSYCHO-SOCIAL HEALTH AND WELL-BEING

A UNIT OF

National Psychological Corporation, Agra

(Largest House of Indian Psychological Tests)

AND

Harprasad Institute of Behavioural Studies, Agra

GF-4, 20/4, Maruti Tower, (Near Shaheed Smarak), Sanjay Place, AGRA-282 002
Ph.: (0562) 2525475, 9917369369

Website : www.samadhankendraagra.com, email : samadhankendraagra@gmail.com

Timing : 11 am to 6 pm, Sunday : 10 am to 2 pm (Thursday Closed)

With Best Compliments From

Sanjay Kumar Bhargava

M. : 9214336338

Mayank Bhargava

M. : 8983101076

SHREE BALAJI ENGINEERS

H. O. : Out Side Ajmeri Gate, Near Ramdwara, Beawar 305901 (Raj.)
B. O. : S-61,62,76 RIICO Shopping Complex, Beawar 305901 (Raj.)
Mob. : 092143-36338, 089831-01076, (O) 092148-36338, 01462-226128
E-mail : sanjaykmbhargava@gmail.com ♦ mayankcancerian@gmail.com

With the Promise of Best Quality

Distributors ◆ Dealers ◆ Liaisoners



Shakti Pulley

JMC JI
VC JMC JM
C JMC



Available Products Catalogue



V-Belts



Grease



Contact Cleaner



Oil & Grease Dispenser



Safety Products



Pollution Control Products



Conveyor Belt



Idler Roller



Wire-net



S.S. Wire-mesh



Test Sieves



Perforated Sheets



Elevator Buckets



Bucket Bolt



Belt Fastners



Belt Fastners



Conveyor Gears



Coupling



Motor Bearings



Ball Mill Bearings



UCP, UCF & UC



Plummer Blocks



Sleeves



Nut & Bolts



Welding Accessories



Pulley



Taper-lock Pulley



Plastic Sutti



Trolley & Trolley Wheels



Hardware Items



Hand Grinder



Compressors & Vibrator Motors

Sister Concerns :

Bhargava Mill Store
Piplaj & Ranisagar (Beawar)
Mob. : 94625-83574, 99288-85200

- ♦ S.K. Trading Company, Beawar
- ♦ Bhargava Machinery Store, Beawar
- ♦ Shree Krishan Incarnation, Beawar

In Everlasting Memory of



Late Shri Shankar Saran ji

(21.09.1921 — 02.03.2007)



Late Smt. Sharda ji

(1.9.1926 — 21.2.2013)



❖ **Late Sh. Shankar Saran ji, B.Sc., L.L.B.** son of Shri Munna Lal ji has served as Rationing Inspector in Govt. Deptt. also served Khatoli Sugar Mills & Shyamli Sugar Mills for the period from 1948 to 1955 and later on from 1964 to 1982 he worked in Shriram Fertilizers & Chemicals Kota and retired from the post of Administrative Manager. In his short life and distinguished career, he was instrumental in helping society to rectify those unspeakable flaws.

❖ **Late Smt. Sharda ji**, daughter of Rai Bahadur Banwari Lal ji of Rewari was also very caring, soft spoken, generous and helpful to everyone and a visionary. In fact she was a great noble lady.

Shri Shankar Saran ji was main Donor of "**SHARDA BHARGAVA BHAWAN KOTA**" (He donated half of land price, towards cost for purchasing of land for the community use). He has established a Nidhi of Rs.35,000/- for Puraskar with the name of "**Smt. Sharda Shankar Saran (Kota) Puraskar (1992)**". Now the Nidhi is of Rs.1.00 Lakh for Puraskar.



Think Lime, Think Sigma.

India's finest Lime Manufacturers

SIGMA
MINERALS
LIMITED



First ISO 9001 and the only ISO 14001 Hydrated Lime & Quick Lime manufacturing company in India.

4, Heavy Industrial Area, Jodhpur - 342003(Raj.), India info@sigmaminerals.com +91 291 2740970 | 2741108

Visit us at :- www.sigmaminerals.com

TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING

WE ARE

BRAND

MARKETERS & CREATORS

- RADIO ELECTRONIC
- PRINT MEDIA
- DIGITAL MEDIA
- CORPORATE EVENTS GIFTS
- SOCIAL MEDIA
- OUTDOOR MEDIA

*HOUSE OF DESIGNING &
PRINTING SOLUTIONS*



Mrs. Manisha Bhargava

Chief Executive Officer
manishab@tbam.co.in

- CALENDAR
- BROCHURE
- FLYERS
- BADGES
- CORPORATE GIFTS
- NEWSLETTER
- DIARY/ ID CARDS
- MEMENTO / TROPHY
- FLEX PRINTING
- SOCIAL MEDIA ADS
- CERTIFICATE PRINTING
- T-SHIRT PRINTING



Mr. Prateek Bhargava

Director
prateekb@tbam.co.in

Dr. Dheeraj K Bhargava

Director
dheerajb@tbam.co.in

9761282880, 9818373200, 9871895198 www.tbam.co.in

Plot No. 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad (U.P.) 201012

In the loving memory of our beloved



Late Smt. Usha Bhargava
(18th February, 1936 – 12th January, 1979)

----Remembered By----

Justice S.N. Bhargava (Husband)
(Former Chief Justice Sikkim High Court
Former Chairman Human Rights Commission Assam & Manipur)

Harish & Shilpi Bhargava (Son & Daughter-in-Law)

Kavita & Rajiv Bhargava (Daughter & Son-in-Law)

Prof. Deepali Bhargava (Daughter)

Roopali & Maj. Gen. Ashok K. Dhingra (Daughter & Son-in-Law)

Sangeeta & Sandeep Bhargava (Daughter & Son-in-Law)

Sakshi-Gaurav, Aditi-Pankaj, Akshay-Kritika, Aarushi-Harsh,
Samin-Anmol, Tanya-Andrew, Ramit, Viraj & Vedant
(Grandchildren & their Spouse)

Shaurya, Mishka & Darsh (Great Grandchildren)

हमारी स्थानीय सभाएँ

- स्थानीय सभाओं की बैठकों का विवरण संक्षिप्त, 200 शब्दों में, होना चाहिए।
- सभी प्रकाशन सामग्री सभा कार्यालय में प्रत्येक माह की 15 तारीख से पूर्व मिल जानी चाहिये।
- भाग्यव पत्रिका हेतु सामग्री ईमेल <abbsbhargavapatrika@gmail.com> पर ही भेजें।

मेरठ: (1) वार्षिक उत्सव; 15-11-2024 (शुक्रवार); सायं 5.30 बजे से; स्थान: 'भाग्यव आइस फैक्ट्री' नौचंदी; अध्यक्षता: श्री सुधीर कुमार जी (अध्यक्ष); उपस्थिति: लगभग 50

ईश वंदना के उपरान्त अध्यक्ष जी ने उपस्थिति सभी परिवार के सदस्यों का स्वागत एवं श्री द्वारका नाथ



जी को विशेष अतिथि आमत्रित किया, इसके लिए श्री राकेश जी (देव पार्क) एवं श्री दीपक जी को एस्कॉर्ट करके लाने को कहा। इसके बाद सचिव जी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी, जिसमें अवगत कराया गया कि मेरठ भाग्यव सभा ने मुझे अप्रैल 2017 से सचिव पद पर नियुक्त किया एवं मेरे अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार जी अप्रैल 2017 से

अपनी कार्यकारिणी के साथ पूर्ण सहयोग से कार्य कर रहे हैं, हर माह मीटिंग नियमित हो रही है एवं समय-समय पर विभिन्न कार्य/फंक्शन किये हैं।

हमारी सभा अपने वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान भी समय-समय पर करती है, इस वर्ष से 90 वर्ष और इससे अधिक आयु के सदस्यों, जो भाग्यव सभा में सक्रिय रह रहे हैं उन्हें "लाइफ टाइम अचीवमेंट" सम्मान से सम्मानित किया जायेगा। अतः इस वर्ष श्री द्वारका नाथ भाग्यव जी (जन्मतिथि: 13-01-1931) 93 वर्ष को माल्यापर्ण कर एवं शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया गया।



श्री द्वारकानाथ भाग्यव जी का संक्षिप्त परिचय- श्री द्वारका नाथ भाग्यव (पुत्र स्व. श्री हरि किशन भाग्यव, लाहौर निवासी) आपका जन्म 13-01-1931 को लाहौर में हुआ था। आपने 10वीं तक की पढ़ाई लाहौर में की, उसके बाद की पढ़ाई भारत में की। आपका विवाह श्रीमती शीला भाग्यव (निवासी रेवाड़ी) से 19-02-1960 को हुआ था। मेरठ में भाग्यव सभा 1927 से थी अतः यहाँ पर 1947 में मेरठ आकर भाग्यव सभा से जुड़े एवं विभिन्न पदों पर कार्य किया और आज भी सक्रिय है।

सचिव जी ने तंबोला का खेल खिलाया जिसमें विजेता श्रीमती शेफाली जी रही। इसके अतिरिक्त दूसरा तम्बोला का खेल श्रीमती सीमा जी ने खिलाया जिसमें 6 हाउस रखे गये, विजेता श्री दीपक जी, श्रीमती रीमा जी, श्री पवन जी, श्री आकाश जी, श्री प्रवीन जी एवं श्रीमती शेफाली जी रहीं, सभी को उपहार दिये गये।

लकी ड्रा के विजेता 'प्रथम' श्री संजीव जी (38 नंबर) एवं 'द्वितीय' श्री शौर्य जी (24 नंबर) रहे, दोनों को उपहार दिया गया।

हमारी स्थानीय सभाएँ

इसके बाद सभी को रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया। सभी परिवारों के रात्रिभोज के उपरांत आज के वार्षिक उत्सव का समापन किया गया।

मेरठ: (2) कार्यकारिणी बैठक; 01-12-2024 (रविवार); दोपहर 12.30 बजे से; स्थान: निवास श्री किशन जी, F-86 सरस्वती लोक, दिल्ली रोड; अध्यक्षता: श्री सुधीर कुमार जी (अध्यक्ष); उपस्थिति: 14

ईश वन्दना के उपरान्त अध्यक्ष जी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं सचिव जी को गत बैठक की कार्यवाही पढ़ने को आग्रह किया। गत बैठक की कार्यवाही की उपस्थित सदस्यों द्वारा पुष्टि की गई।

अध्यक्ष जी ने सभी सदस्यों को सूचित किया कि जो भी सदस्य लखनऊ अधिवेशन में जा रहे हैं उन्हें 10 दिसम्बर से पहले ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा लेना चाहिए।

दिसम्बर माह में (8-12-2024) श्री आकाश जी एवं (28-12-2024) श्री किशन जी को जन्मदिन की बधाई दी गई तथा (3-12-2024) डॉ. पुनीत जी, (6-12-2024) श्री दीपक जी, (8-12-2024) श्री प्रवीन जी, (14-12-2024) श्री कुश जी एवं (15-12-2024) श्री अशोक जी (रुड़की रोड) को विवाह की वर्षगांठ पर बधाई दी गई।

सचिव जी ने मेरठ भार्गव सभा के वार्षिक उत्सव का आय-व्यय का विवरण पेश किया, जिसमें 40 लकी ड्रा कूपन बिक्री से 400/- रुपये की आय हुई एवं हलवाई, शॉल, गिफ्ट्स एवं लकी ड्रा के कूपन छपाई का कुल व्यय 11930/- रुपये रहा, अतः नेट व्यय 11530/- रुपये सभी की सहमति से पास किया गया। अभी इस मद में टैट व्यय का बिल प्राप्त नहीं हुआ है, अतः प्राप्त होने पर पास करके भुगतान किया जाएगा। श्री राकेश भार्गव (बागपत रोड) ने अपनी स्वर्ण जयन्ती विवाह की वर्षगांठ (25-11-2024) के शुभ अवसर पर मेरठ भार्गव सभा को अंकेन 1100/- रुपये प्रदान किये। इसके लिये सभा की तरफ से श्री राकेश जी को धन्यवाद एवं बधाई दी गई।

श्री कार्तिकेय जी ने तम्बोला का गेम खिलाया, जिसमें विजेता श्री प्रवीन जी रहे। अगले माह की बैठक श्री दीपक जी के यहाँ होनी तय की गई। अंत में श्री किशन जी को स्वादिष्ट स्नैक्स एवं दोपहर के भोजन के लिये धन्यवाद देकर सभा की बैठक का समापन किया गया।

बी-5, तेजपाल सिंह एनक्लेव, दिल्ली रोड, मेरठ-250002
मो.: 9897024050, <sudhirbhargava14@yahoo.com>

सधीर कुमार भार्गव
अध्यक्ष

(मेरठ भार्गव सभा की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 20-11-2024 व 17-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

फरीदाबाद: सामान्य बैठक; 15-12-2024 (रविवार); स्थान: वाह जी वाह रैस्टोरेंट,
सैक्टर-79; संयोजक: स्थानीय भार्गव सभा; उपस्थिति: 42

बैठक की शुरूआत ईश वन्दना के साथ प्रारंभ की गई। चाय एवं चिप्स के साथ पूर्व सभा की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया। अ.भा.भा.स. के वार्षिक अधिवेशन में जाने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया गया व करीब 15 सदस्यों ने जाने का आश्वासन दिया। सभा में अन्य परिवार जो सभा के सदस्य नहीं हैं व अ.भा.भा.स. कि सदस्य हैं उनको जोड़ने पर विचार किया गया। वार्षिक शुल्क के ऊपर विचार किया

हमारी स्थानीय सभाएँ

गया और श्री सचिन एवं श्रीमती आभा द्वारा अगली सभा पिकनिक के तौर पर आयोजित करने पर विचार किया गया। अ.भा.भा.स. के निर्देशानुसार सभा के चुनाव 2025-2027 के लिए ध्वनिमत से सम्पन्न कराये गये जिसका विवरण निम्न है:-

1. अध्यक्ष - श्री रजत भार्गव, मो.: 9811265521
2. सचिव - श्री दीपक भार्गव (BPTP), मो.: 9968116908
3. कोषाध्यक्ष - श्री अभय भार्गव, मो.: 8285539008
4. सांस्कृतिक सचिव I - श्रीमती वन्दना भार्गव (Omaex Sec-78), मो.: 9650496338
5. सांस्कृतिक सचिव II - श्रीमती रत्ना भार्गव, मो.: 8989400077
6. ऑफिटर - श्री सुमित भार्गव, मो.: 9911272812

उपरोक्त के अलावा 5 श्रेवार प्रतिनिधि भी बनाये गये:-

1. NIT श्रेव - श्रीमती सारिका, (मो.: 9971864400)
2. सै.-15, 16, Old Faridabad - श्री दीपक (सै. 16), (मो.: 9810757528)
3. सै.-7, 8, 9 बल्लबगढ़ - श्रीमती अनीता, (मो.: 9711225835)
4. सै.-31, 37, 43 Charwood - श्री सचिन, (मो.: 9818196720)
5. सभी सैक्टर नहरपार - श्री विकास (Omex), (मो.: 9818700564)

खेल प्रतियोगिताओं व लकी ड्रा तथा Punchuality के इनाम श्री दीपक (BPTP) व श्रीमती ममता द्वारा प्रायोजित किये गये व बाँटे गये। स्वादिष्ट लंच एवं हाऊजी खेलकर सभा सम्पन्न की गई।

Flat No. 1004, Tower - B5, Block-B, KLJ Greens, Sector-77,
Faridabad-121004, मो.: 9811265521, <visheshrajat@rediffmail.com>

रजत भार्गव
सचिव

(फरीदाबाद भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 19-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

कानपुर: अष्टम निबंध प्रतियोगिता; संयोजक निबंध प्रतियोगिता: श्री पुनीत जी

कानपुर भार्गव सभा द्वारा श्रीमती गीता देवी किशोरी लाल भार्गव (सत्संग भवन दिल्ली) स्मृति अष्टम निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसका विषय था 'कौशल या ज्ञान, आज के समय में क्या अधिक उपयोगी है।' निबंध प्रतियोगिता में निबंध भेजने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 थी। उपरोक्त तिथि तक कानपुर भार्गव सभा को 17 निबंध प्राप्त हुए थे। उपरोक्त निबंधों का पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गेश बाजपेई एवं उनके सहयोगियों



हमारी स्थानीय सभाएँ

द्वारा आकलन किया गया। कानपुर भार्गव सभा द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तीन सांत्वना पुरस्कार देने की घोषणा करी गई थी।

डॉ. दुर्गेश बाजपेई एवं उनके सहयोगियों द्वारा निम्न परिणाम प्राप्त हुए हैं:- 'प्रथम' डॉ. मधु भार्गव (कानपुर); 'द्वितीय' तनु भार्गव (मुंबई); 'प्रथम सांत्वना पुरस्कार' अंशु भार्गव (अजमेर); 'द्वितीय सांत्वना पुरस्कार' ज्योत्सना भार्गव (भोपाल); 'तृतीय सांत्वना पुरस्कार' सर्वेश भार्गव (कानपुर)।

इसके अतिरिक्त निम्न प्रतियोगियों के निबंध भी सराहनीय रहे:- 1. डॉ. आशा भार्गव (विदिशा), 2. डॉ. प्रीति भार्गव (जयपुर), 3. श्री बालकृष्ण भार्गव (दिल्ली), 4. श्रीमती सुधा भार्गव (अलवर), 5. श्रीमती वीणा भार्गव (अलवर), 6. श्री सुधीर भार्गव (जयपुर), 7. श्रीमती रमा भार्गव (कानपुर), 8. श्रीमती अरुणा भार्गव (बीकानेर), 9. श्री मथुरा प्रसाद भार्गव (जयपुर), 10. श्रुति भार्गव (मथुरा), 11. कुसुम भार्गव (दिल्ली), 12. रुही भार्गव (जोधपुर)।

विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार राशि की चेक द्वारा स्पीड पोस्ट से भेजी जाएगी, धन्यवाद।

— राजीव भार्गव, (सचिव), <rajeev.bhargava.007@gmail.com>

(कानपुर भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 06-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

नोएडा: प्रथम वार्षिक समारोह; 01-12-2024 (रविवार)

कार्यक्रम की शुरूआत महिलाओं द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। उसके पश्चात सबने ईश वन्दना गायी। कार्यक्रम की प्रस्तुतकर्ता श्रीमती रचना भार्गव ने सबका अभिवादन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत लक्षिता ने बहुत सुंदर नृत्य से की। श्रीमती गरिमा ने अपनी पुत्री भव्या के साथ नृत्य प्रस्तुत किया। उसके बाद श्रीमती रश्मि ने एक गीत गाया। श्रीमती शालिनी द्वारा अंताक्षरी करवाई गई, जिसमें कई विजेताओं को ईनाम दिए गए। अनामिका, संध्या व अंजलि ने भी नृत्य प्रस्तुत किए। सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के स्टार्टर का आनंद लिया। उसके बाद श्री अनुज भार्गव ने अपनी मधुर आवाज में एक कविता प्रस्तुत की। सबने ताली बजाकर उनका उत्साह वर्धन किया। उसके पश्चात सभी नए सदस्यों का परिचय कराया गया। एक परिवार ने 11,000/- रुपये का दान दिया।

श्री सुनील व श्रीमती नीरू ने सभा को अपने स्वर्गीय पिताजी की 100वीं जन्मतिथि पर 22,000/- रुपये दान किये। यह रकम हर साल दसवीं एवं बारहवीं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को दी जाएगी। इसी क्रम में श्री अनिल व श्रीमती नीलिमा ने अपनी 46वीं वैवाहिक वर्षगाँठ पर सभा को 2100/- रुपये दान किये। श्री ओम दत्त ने भी अपने जन्मदिन पर 1100/- रुपये दान किये। फिर श्रीमती ज्योति ने सबका



हमारी स्थानीय सभाएँ

पंसदीदा गेम तम्बोला करवाया। इस कार्यक्रम का मुख्य आर्कषण कुकिंग प्रतियोगिता थी, जिसमें 12 महिलाओं ने अपने हाथों का हुनर दिखाया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री आलोक, श्रीमती रचना व श्रीमती प्रियंका की मुख्य भूमिका रही। प्रतियोगिता को जज सेलिब्रिटी 'शेफ' वैभव भार्गव ने किया। इस प्रतियोगिता में तीन विजेता चुने गए जिनके नाम निम्नलिखित हैं:- 'प्रथम पुरस्कार' श्रीमती निशा, 'द्वितीय पुरस्कार' श्रीमती नीलिमा एवं 'तृतीय पुरस्कार' श्रीमती दिव्या। शेफ वैभव ने अपनी ओर से विजेताओं को एक गिफ्ट हैम्पर प्रदान किया। आखिर में अध्यक्ष द्वारा सबको धन्यवाद प्रेषित किया गया एवं उन्होंने भोजन ग्रहण करने के लिए आग्रह किया और सब लोगों ने सुस्वाद भोजन का आनंद लिया।

— Priyanka Bhargava, (Executive Member),

Mob.: 8130641101, <priya_b13@rediffmail.com>

(नोएडा भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 09-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

रेवाड़ी: रेवाड़ी भार्गव सभा व धार्मिक कमेटी की तरफ से अनकूट के प्रसाद का आयोजन;
02-11-2024 (शनिवार); स्थान: शिव मंदिर बावल चौक, रेवाड़ी

इस आयोजन में भगवान लद्दू गोपाल की आरती करने के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस आयोजन में धार्मिक कमेटी के सचिव श्री सौरभ जी ने भरपूर सहयोग दिया। विशेष आभार इस आयोजन में श्री विकेश जी (प्रधान, रेवाड़ी भार्गव सभा), श्री सुमित जी (कोषाध्यक्ष, अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ), श्री दीपेश जी (सदस्य अ.भा.भा.स.)।



इस आयोजन में श्री अनिल जी (नगर प्रभारी), श्री राजीव जी, श्री सुनीत जी, श्री ब्रिज भूषण जी (प्रधान, धार्मिक कमेटी रेवाड़ी), मुकेश जी (मास्टर), श्री पुनीत जी, क्षितिज जी, संगम जी, रोहित मावल, शिवांग, हर्षित, ख्याति द्वारा भरपूर सहयोग दिया। रेवाड़ी भार्गव सभा के सचिव चिराग जी ने बताया रेवाड़ी भार्गव सभा व युवा संघ रेवाड़ी द्वारा एसे कार्य समय-समय पर कराती रहती है।

— चिराग भार्गव, (सचिव), <abbs.cst@gmail.com>

(रेवाड़ी भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 06-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

कोलकता: दीपावली मिलन समारोह - भार्गव परिवार सभा के तत्वावधान में

कार्यक्रम का आरंभ सभी अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ, जहाँ उन्हें तिलक और मेवा भेंट किये गये। इसके पश्चात चाय और खस्ता कचौरी के साथ मिलन समारोह की शुरुआत हुई।

स्मृतियों को जीवित रखने का एक प्यारा प्रयास संध्या चाची ने पवन चाचाजी के जन्मदिन की स्मृति में सभी सदस्यों को मिठाई के पाउच भेंट किए, जो सभी के दिलों को छू गया।

परंपरा और मनोरंजन का संगम सभा की शुरुआत पारंपरिक सभा प्रार्थना से हुई, जिसने पूरे कार्यक्रम को एक शांत और गरिमामय स्वरूप दिया। इसके बाद पिछले मिलन समारोह की चर्चा और अद्यतन साझा किए गए।

हमारी स्थानीय सभाएँ

खेल और हास्य से भरपूर शाम दीपावली थीम पर आधारित खेलों ने इस मिलन समारोह को और खास बना दिया। नए और रोमांचक हाऊजी संस्करण ने सभी का दिल जीत लिया। इसके अतिरिक्त एक रोचक किंवज आयोजित किया गया, जिसने दीपावली की परंपराओं पर सदस्यों की जानकारी को परखा। इन खेलों ने सभी को हँसी-खुशी के पल प्रदान किये।

स्नेहपूर्ण भोज और उपहार वितरण कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट रात्रिभोज के साथ हुआ, जिसमें विविध व्यंजनों का आनंद सभी ने उठाया। हर परिवार को दीपावली की शुभकामनाओं के साथ उपहार भेंट किये गये, जिससे त्योहार का उल्लास और बढ़ गया।

विशेष धन्यवाद और भावपूर्ण योगदान आरती चाची और उनके परिवार को उनके सुंदर सजे-धजे घर और अतुलनीय प्रयासों के लिए दिया गया।

साथ ही अम्मू और उनकी टीम का खेलों को सफलतापूर्वक आयोजित करने में अहम योगदान रहा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संध्या चाची, भरत चाचा जी, आरती चाची, आकाश-रजनी, लावण्या-काव्या, अमित-दीपाली और छोटे मनोरंजनकर्ता विवान का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। अभिषेक की मेहनत और अकांशा द्वारा व्यवस्थित अदृश्य उपहारों के लिए भी हार्दिक आभार।

समारोह एकता, उल्लास और भविष्य की योजनाओं के उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सभा के आगामी पिकनिक की तिथि और व्यवस्थाओं पर चर्चा भी की गई। इस शाम ने सभी सदस्यों के बीच अपनत्व और स्नेह का भाव और गहरा कर दिया।

— अभिषेक भार्गव, <abhishekbhargava12@gmail.com>

(कोलकता भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 08-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

With best compliments from



**rainbow
convertors**



Prabhu Niwas, 74/11 - Vijay Nagar, Gurudwara Road, Lucknow-226 004
Tel.: 0522-4037600 Mob.: 9839007600 • E-mail: rainbow.convertors@gmail.com

**Cut Size Paper Conversion on Automatic Machines with
in-line Wrapping, Paper Mill Finishing House Operations**

Works:

**Orient Paper Mill, Amlai, M.P.
Bindals Papers Mills Ltd., Muzaffarnagar, U.P.**

हमारी महिला सभाएँ

दिल्ली: कार्यकारिणी बैठक; 08-11-2024 (शुक्रवार); सायं 3.30 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती कीर्ति जी 'रोहिणी'; अध्यक्षता: श्रीमती मनी जी (प्रधान); उपस्थिति: 17; समयबद्धता पुरस्कार: श्रीमती मनीषा जी

सर्वप्रथम सदस्यों को तंबोला खिलाया गया। इश वंदना और 108 नाम की माला का उच्चारण सदस्यों द्वारा किया गया। दिवंगत आत्मा श्रीमती आशा जी (शाहदरा), सुषमा जी (द्वारका) एवं श्री ओमप्रकाश जी (पांडव नगर) को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा 5 मिनट के लिए स्थिगित की गई। 'सचिव' श्रीमती नीता जी द्वारा गत माह की बैठक की कार्यवाही की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। 'प्रधान' श्रीमती मनी जी ने सभा को बताया कि आगामी सत्र 2025-27 के चुनाव के लिए नामांकन 13 जनवरी 2025 को सायं 3.00 से 5.00 बजे तक 7/24 सत्संग भवन दरिया गंज में भरे जाएंगे। 16 जनवरी को आवश्यकता पड़ने पर चुनाव कराया जाएगा। विस्तृत जानकारी आपको समाचार दर्शिका के माध्यम से प्राप्त हो जाएगी। सभा की ओर से श्रीमती नीता जी ने एक गेम खिलाया जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गेम में श्रीमती मनीषा जी विजयी रही। जिन सदस्यों के जन्मदिन नवंबर माह में आते हैं उनको सभा की ओर से उपहार दिए गए। शांति पाठ के साथ बैठक का समापन किया गया। स्वादिष्ट जलपान के लिए श्रीमती कीर्ति जी एवं निर्मल जी को धन्यवाद दिया गया। बी-53, राधाकृष्णा लेन, कौशांबी, गाजियाबाद,

मो.: 9910288633, <akashcards1@gmail.com>

नीता भार्गव

सचिव

(अलवर भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 12-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

जबलपुर: (1) साधारण बैठक; 18-11-2024 (सोमवार); स्थान: निवास श्रीमती दिव्या जी, 'सत्यानंद बिहार रामपुर'

सभा का शुभारंभ ईश वंदना एवं गीता के 12वें अध्याय के वाचन से हुआ। इसके पश्चात हाऊजी खेली गई और तीन प्रकार के रोचक हाऊजी के गेम्स भी खेले गए, जिसमें चारूल जी, प्रीति जी, सरला जी, विनीता जी, आरूषि जी एवं अलका जी को क्रमशः पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, पाँचवा एवं छठवां पुरस्कार प्राप्त हुआ। दीपिका जी एवं दिव्या जी के द्वारा स्वादिष्ट जलपान का आयोजन किया गया जिसका सबने आनंद उठाया। "मटर व्यंजन प्रतियोगिता" में शीतल जी (मटर की कचौड़ी) और स्वाति जी (मटर के समोसे) लेकर आई। अंत में दीपिका जी के द्वारा दिवाली पर्व के उपलक्ष्य में सब लोगों को खूबसूरत क्रिस्टल का गिफ्ट प्रदान किया गया। तत्पश्चात विनीता जी और सरला जी के द्वारा दीपिका जी और दिव्या जी को स्वादिष्ट जलपान एवं सभा का आयोजन करने के लिए धन्यवाद दिया।

जबलपुर: (2) साधारण बैठक; 09-12-2024 (सोमवार); स्थान: निवास श्रीमती संजना जी, 'वसुंधरा बिहार, साउथ सिविल लाइंस'; अध्यक्षता: श्रीमती संगीता जी

सभा का शुभारंभ ईश वंदना एवं गीता के 12वें अध्याय के वाचन से हुआ। इसके पश्चात दिनांक 21, 22 व 23 दिसम्बर 2024 को लखनऊ में होने वाले अधिवेशन में सम्मिलित होने के संबंध में चर्चा हुई। इसके बाद शीतल जी द्वारा हाऊजी के गेम का सुंदर संचालन करते हुए अनेक पुरस्कार वितरित किये। पुरस्कारों के बाद संजना जी एवं शीतल जी द्वारा स्वादिष्ट, जायकेदार जलपान कराया गया।

हमारी महिला सभाएँ

बैठक का समापन सचिव कीर्ति जी द्वारा संजना जी एवं शीतल जी को बैठक के आयोजन एवं स्वादिष्ट जलपान कराने पर धन्यवाद देते हुए किया गया।

- कीर्ति भार्गव, (सचिव), <kirtibhargava68@gmail.com>

(जबलपुर भार्गव महिला सभा की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 13-12-2024 को प्राप्त हुई हैं।)

मुलताईः: साधारण बैठक; 20-11-2024 (बुधवार); दोपहर 3.30 बजे से; स्थान: साई कृपा होटल; आयोजक: श्रीमती मीना अजेंद्र जी



सभा की शुरुआत इश वंदना के साथ कल्पना जी की अध्यक्षता में हुई। अध्यक्षा द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा में होने वाले कार्यक्रम से सभी को अवगत कराया गया एवं चुनाव में अपने मत का सही उपयोग करने हेतु समझाइश दी गई। स्थानीय चुनाव पर भी थोड़ी बहुत चर्चा चली। तत्पश्चात् मीना जी द्वारा सुंदर गेम खिलाया गया। जिसमें 'प्रथम' पूनम जी एवं 'द्वितीय' ऋचा जी रही। मीना जी द्वारा स्वादिष्ट व्यंजनों से जलपान कराया गया। सभी ने उन्हें धन्यवाद दिया। अध्यक्षा द्वारा आगामी बैठक की तारीख निश्चित करके सभा का समापन किया गया।

- मीना भार्गव, (सचिव), <meenabhargava08@gmail.com>

(मुलताई भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 06-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

अलवर: मासिक बैठक; 15-12-2024; दोपहर 2.00 बजे से; स्थान: 'भार्गव आश्रम अलवर'; अध्यक्षता: श्रीमती अमिता जी



सर्वप्रथम समयबद्धता पुरस्कार श्रीमती रति जी का निकला। श्री चरणदास जी की 108 नाम की माला से कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया। गीता के 12वें अध्याय का पाठ समवेद स्वर में किया गया। श्रीमती पद्मा, प्रकाश भार्गव एवं डॉ. सुधा भार्गव के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। तत्पश्चात् 5 मिनट हेतु सभा स्थगित की गई। राम सिया विवाह (6 दिसम्बर) के उपलक्ष में वीणा जी, सरोज जी, ब्रिजेश्वरी जी, रेणु जी के नेतृत्व में सामूहिक भजन गाये गये। हम भारतीयों को "क्रिसमस दिवस" मनाना चाहिये या नहीं? इस विषय पर परिचर्चा की गई। दो-दो मिनट का समय सभी प्रतिभागियों को दिया गया। निर्णय लिया गया कि विविधता वाले धर्मनिरपेक्ष राज्य में "क्रिसमस ट्री" के स्थान पर हमारे देव-पूज्य तुलसी, पीपल, बट, नीम जैसे वृक्षों की पूजा व संरक्षण सनातन संस्कृति के अनुसार व "सान्ताक्लोज" के साथ-साथ हिन्दू पर्वों को भी महत्व देना चाहिए। नव वर्ष 2025 में 12-1-2025 को हवन एवं पौष बड़ा व मकर संकांति उत्सव मनाया जायेगा और सभी परिवारों के सदस्यों को आमंत्रित किया जायेगा। अल्पाहार हेतु अंजू जी, रति जी, रेखा जी एवं ममता जी को धन्यवाद दिया गया। ममता जी ने 200/- रुपये अपने जन्मदिन पर तथा संध्या जी 250/- रुपये व रेणु जी 250/- रुपये अपने वैवाहिक वर्षगाँठ पर महिला सभा को सहर्ष प्रदान किये। सचिव जी ने शुभकामनाएँ व धन्यवाद जापित किया। अंत में अध्यक्षा जी की अनुमति से बैठक का समापन किया गया।

अमिता भार्गव, (अध्यक्ष), मो.: 9828587499

वीणा भार्गव, (सचिव), मो.: 6378352167

(अलवर भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 16-12-2024 को प्राप्त हुई है।)

We Make Your First Impression..



KUMAR LABELS

Noida | Goa | Indore

+91 99101 61978 | ideas@kumarlabels.com

*With
Best
Compliments
From*



SURESH BHARGAVA

Mob.: 09811127126

NEERA BHARGAVA

Mob.: 09811066272



180, SIDDHARTHA ENCLAVE
NEW DELHI - 110 014

With Best Compliments From

HBD PAPER CONVERTORS

Convertors for Paper & Board Mills

Finishing and Converting over 1,500 tons per day of
Paper / Board in different Mills at various locations.

Providing Employment to over 1200 persons
including 5 Managers, 35 Supervisors
& 12 Shift Incharge.

Administrative Office : 19, Udyog Kendra Industrial Area
Ecotech III, Greater Noida (U.P.) – 201 306

Conversion Unit : 128, Udyog Kendra Industrial Area,
Ecotech III, Greater Noida (U.P.) – 201 308

Email : hbdconvertor@gmail.com

Chief Executive : Mrs. Ritu Bhargava, Mob. : +91 9818557932

Head Operations : Mr. Amar Chand, Mob.: +91 9873036980

Head Commercial : Mr. Krishan Kumar, Mob.: +91 9717246523

Currently Converting at following Mill's Sites

1. Century Pulp & Paper, Lalkuan, Nainital (Uttarakhand)
2. West Coast Peper Mills, Dandeli (Karnataka)
3. Kuantum Paper Ltd., Hoshiarpur (Punjab)
4. Mehali Paper Mills, Dahej, Bharauch (Gujarat)
5. The Sirpur Paper Mills Ltd., Kaghaz Nagar (Telangana), J.K. Paper Unit
6. Naini Papers Ltd., Kashipur (Uttarakhand)
7. Shah Paper Mills Ltd., Vapi (Gujarat)
8. K.R. Paper Mills Ltd., Shahjanpur, (Uttar Pradesh)
9. N.R. Agarwal Paper Mill, Unit-5 - Vapi (Gujarat)
10. Orient Paper Mills Ltd. - Amlai (Madhya Pradesh)

*With
Best
Compliments
From*



RAKMO

PRESS PVT. LTD.

Directors :

**RAKESH BHARGAVA,
MUKESH BHARGAVA**

C-59, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110 020

Phones: (011) 40526780, 41089990

E-mail: rakmopress06@gmail.com •

design.rakmopress@gmail.com

Mobile: (Rakesh) 9810193546 • (Mukesh) 9811057582

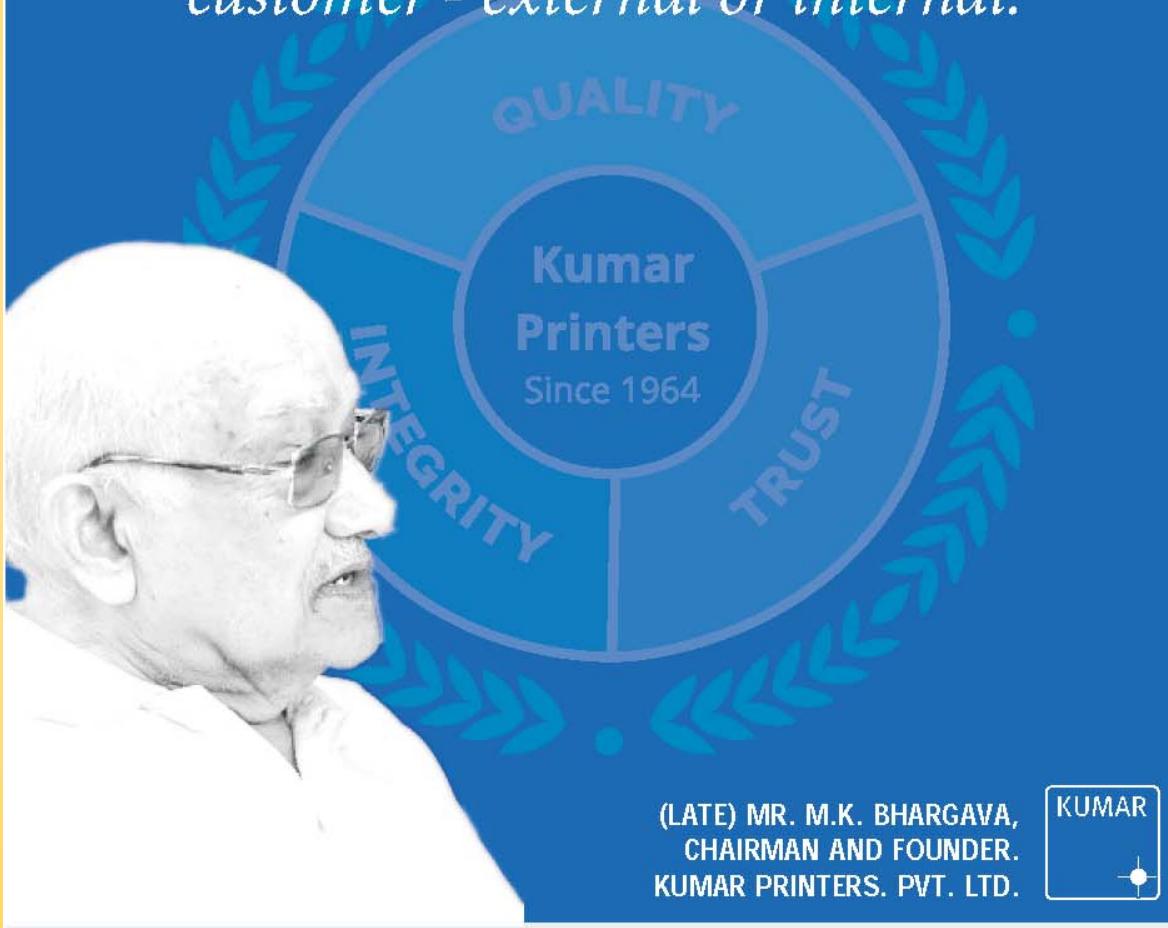
Residence :

G-277, Sarita Vihar, New Delhi-110 076

Phones: 26948987 • 26974258

BRC, SEDEX, ISO & FSC certified paperboard packaging from India; we are your partners from design to delivery.

“In the entire journey of Kumar Printers, we have never short charged any customer - external or internal.”



(LATE) MR. M.K. BHARGAVA,
CHAIRMAN AND FOUNDER.
KUMAR PRINTERS. PVT. LTD.



Kick start the design process with our packaging experts

www.kumarprinters.com



Published on 24 of every month

RNI No. 4704/1957

DL-SW-01/4212/2024-26

Posted on 25-26 same month at LPC Delhi RMS, Delhi-110006 WPP No.: U(SW)-35/2024-26

SUSTAINABLE SOLUTIONS



COLORANT®
Quality is Colorant

GOTS Certified



COLRON®
Reactive Dyes

COLORANT LIMITED

Plot No. 116, Phase II, G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad 382 445, Gujarat, INDIA
Phone: +91 79 4030 7233 / 4583 • Email: mktg@colorantindia.com

www.colorantindia.com

प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक श्री एच.एन. भार्गव द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) की ओर से रैकमो प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, I-57, UPSIDC इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-V, कासना, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.) से मुद्रित तथा अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.), 305, 3rd Floor, एवलोन अपार्टमेन्ट, न्यू मंगलापुरी, मेहराली-गुडगाँव रोड, नई दिल्ली-110030 से प्रकाशित। — सम्पादक : श्री एच.एन. भार्गव